

Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0°C
न्यूनतम तापमान: 21.0°C
हवा गति: 11 कि. / घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

संजीवनी टुडे

समय के साथ बढ़ता अखबार
जयपुर, सोमवार, 15 अप्रैल 2024

अब होगी सुविधा की बात
संजीवनी टुडे के साथ
जम्माबिलस, वैचारिक चर्चाएं एवं
निडुरि बढाई संदेश
मात्र 1100/-
साईज 8X9 cm
संजीवनी टुडे
विशेष संस्करण के साथ किंगडम, जयपुर, 15 अप्रैल 2024
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

वर्ष: 10 अंक: 312

पृष्ठ: 8 मूल्य: 1.50

मोदी बोले- कांग्रेस के दिल में जलन भरी: पीएम के पिपरिया में कहा

रोहित गोदारा के एक्टिव गुर्गे सीकर से गिरफ्तार

शाही फैमिली धमका रही, मोदी तीसरी बार पीएम बने तो आग लग जाएगी

एजीटीएफ ने सुरेन्द्र सिंह व राजेश जोया उर्फ जोया सरकार को पकड़ा

संजीवनी टुडे

नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मध्यप्रदेश के पिपरिया पहुंचे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में मद्र प्रदेश को चौंका दिया। होशंगाबाद से जो लहर उठी, वो पूरे देश में फैल गई थी। पीएम ने कहा, " कांग्रेस का शाही परिवार धमकी दे रहा है कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बना तो देश में आग लग जाएगी। बस देश को डराओ, घबराओ, आग फैलाओ। आज देश में आग नहीं लगी। यह जलन उनके दिल और दिमाग में ऐसे भरी पड़ी है कि वह उनको अंदर से जलाती जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के लिए चुनावी सभा करने आए थे। पीएम मोदी 8 दिन के भीतर तीसरी बार मध्यप्रदेश आए थे। राहुल गांधी को शाही जादूगर कहा: कांग्रेस के शहजादे ने घोषणा की है कि एक झटके में देश की गरीबी हटा दूंगा। आखिर ये शाही जादूगर इतने वर्षों तक कहाँ छिपा था? इनको एक झटके वाला मंत्र मिल गया है। ऐसे दावे करते हैं और हंसी के पात्र बन जाते हैं। कांग्रेस ने इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा: कांग्रेस ने इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा। कांग्रेस की मानें तो लोकतंत्र तब ठीक चल रहा था। लेकिन जैसे ही गरीब घर का बेटा प्रधानमंत्री बना, अफवाह फैलाने लगे कि मोदी आया है, संविधान और लोकतंत्र पर खतरा हो जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस ने देश में आपातकाल या इमरजेंसी लगाई थी।



मोदी ने कहा- कांग्रेस का शाही परिवार दे रहा धमकी

पीएम मोदी बोले- अब तो कांग्रेस का शाही परिवार धमकी दे रहा है कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बना तो देश में आग लग जाएगी। आग देश में नहीं, उनके दिलों में लगी है। ये जलन उनके दिल और दिमाग में ऐसे भरी पड़ी है कि वो उनको अंदर से जलाती जा रही है। ये जलन भी मोदी के कारण नहीं है। ये जलन 140 करोड़ देशवासियों के मोदी के प्रति प्रेम के कारण है। वो ये प्रेम भी सहन नहीं कर पा रहे हैं।

पीएम ने गिनाई मोदी की गारंटी

हमने 3 करोड़ घर बनाने का हमने संकल्प लिया है। दिव्यांगों को भी इसका लाभ मिलेगा। 5 साल तक पीएम किसान सम्मान निधि चालू रहेगी। गरीबों को मुफ्त राशन ऐसे ही मिलता रहेगा। ये भी मोदी की गारंटी है। इंडी गठबंधन पर भी हमला बोला: इंडी गठबंधन तय नहीं कर पा रहा है कि क्या करना चाहते हैं। उनके एक साथी का घोषणापत्र कहता है कि देश से परमाणु हथियार खत्म कर देंगे। जैसी घातक इनकी सोच है, वैसा ही घातक उनका घोषणापत्र है। पिछड़े जनजातियों के लिए 24,000 करोड़ रुपए की पीएम जनमन योजना पर पहले से ही काम चल रहा है। मोदी के तीसरे कार्यकाल में इसे भी पूरा किया जाएगा। मोदी की गारंटी यहां से शुरू होती है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है। लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रचार करने मध्यप्रदेश पहुंचे। उनका फोकस सबसे ज्यादा आदिवासी वोटर्स और युवाओं पर रहा। उन्होंने परिवारवाद पर हमला बोला और कांग्रेस पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी को शाही जादूगर कहा। प्रधानमंत्री ने कहा, इंडी गठबंधन तय नहीं कर पा रहा है कि उनकी सरकार क्या करना चाहती है, कैसे करना चाहती है। उनके घोषणापत्र में एक से बढ़कर एक खतरनाक वादें हैं। उनके एक साथी का घोषणापत्र कहता है कि देश से परमाणु हथियार खत्म कर देंगे। जैसी घातक इनकी सोच है, वैसा ही घातक उनका घोषणापत्र है।

मोदी बोले- शाही जादूगर इतने वर्षों तक कहाँ छिपा था

कांग्रेस के शहजादे ने घोषणा की है कि एक झटके में देश की गरीबी हटा दूंगा। आखिर ये शाही जादूगर इतने वर्षों तक कहाँ छिपा था? 50 साल पहले इनकी दादी ने देश से गरीबी हटाने की घोषणा की थी। 2014 से पहले 10 साल तक इन्होंने रिमोट से सरकार चलाई। अब इनको एक झटके वाला मंत्र मिल गया है। ऐसे दावे करते हैं और हंसी के पात्र बन जाते हैं। एकलव्य मॉडल स्कूलों की संख्या 750 तक पहुंचाने के लिए तेजी से काम किया जाएगा। पिछड़े जनजातियों के लिए 24000 करोड़ रुपए की पीएम जनमन योजना पर पहले से ही काम चल रहा है। मोदी के तीसरे कार्यकाल में इसे भी पूरा किया जाएगा। मोदी की गारंटी यहां से शुरू होती है, जहां दूसरों से उम्मीद खत्म हो जाती है। आने वाले समय में 3 करोड़ घर बनाने का हमने संकल्प लिया है। दिव्यांगों को भी इसका लाभ मिलेगा। यहां होशंगाबाद के किसानों को भी करीब 400 करोड़ रुपए किसान सम्मान निधि के मिले हैं। आने वाले 5 साल में ये पीएम किसान सम्मान निधि चालू रहेगी। करीब 2000 करोड़ रुपए यहां के किसानों के पास आएंगे। गरीबों को मुफ्त राशन ऐसे ही मिलता रहेगा। 5 लाख तक का मुफ्त इलाज चालू रहेगा। ये भी मोदी की गारंटी है। कांग्रेस ने देश भर में लोकतांत्रिक सरकारों को जब मर्जी पत्तों के महल की तरह गिरा दिया। अपने हिस्से से इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा। जो मन किया वो लिखवाया और खुद का ही महामांडन करवाया।

संजीवनी टुडे

जयपुर। टी गैंगस्टर टास्क फोर्स में आज रोहित गौदारा के दो गुर्गों को सीकर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों सक्रिय सदस्य सुरेन्द्र सिंह व राजेश जोया उर्फ जोया सरकार काफी समय से रोहित गौदारा के लिए एक्टिव होकर काम कर रहे थे। इन की जानकारी पुलिस को काफी समय से थी लेकिन ये दोनों बदमाश पुलिस की रडार से बचे हुए थे। एडीजी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन में व एडिशनल एसपी विद्याप्रकाश के नेतृत्व में टीम के सदस्य कांस्टेबल सन्नी कुमार को सूचना प्राप्त हुई कि रोहित गौदारा गैंग के लिए काम करने वाले व उस गैंग के गुर्गों को शरण देने वाले सुरेन्द्र व राजेश जोया उर्फ जोया सरकार कुछ दिनों पहले महिपाल पचार निवासी पचारो की दागी, सीकर निवासी है जिनसे लेनदेन का विवाद था जिसके लिए उसे गैंगस्टर रोहित गौदारा द्वारा धमकी देकर मामले को बेटकर निपटाने को कहा गया। जिस पर सुरेन्द्र व राजेश जोया ने परिवार को घर बुलाकर कर्मरे में बन्द किया और दोनों ने मारपीट की। रोहित गौदारा की धमकी के कारण परिवार पुलिस में मुकदमा दर्ज कराने से डर रहा था। ये दोनों बदमाश रोहित



गौदारा के लिए सीकर और शेखावाटी क्षेत्र के अच्छे पैसे वाले लोगों के मोबाइल नम्बर व उनके मूवमेंट की जानकारी देते हैं। कुछ दिन पहले रोहित गौदारा गैंग का अपराधी राहुल रिणाउ जो दो हत्याकाण्ड के मामले में जेल बंद था वह पेरौल पर फरार चल रहा है उसकी बहिन को शायी में सुरेन्द्र थालोट, राजेश जोया उर्फ जोया सरकार ने साथी बदमाशों को यह संदेश भेजा कि राहुल रिणाउ की बहिन की शायी में सभी साधियों को आना है एवं अधिक से अधिक राशि कन्यादान स्वरूप देनी हैं। जो ऐसा नहीं करेगा वह हमारा दुश्मन होगा एवं उसे इसका दुष्परिणाम भुगताना पड़ेगा। इस धमकी के बाद शेखावाटी के बहुत सारे बदमाश शायी में आये और कन्यादान किया। सुरेन्द्र सिंह एवं राजेश जोया को जोया भी 14 मार्च को राहुल रिणाउ की बहिन की शायी में शामिल थे।

राजस्थान में कार में जिंदा जले 7 लोग

सालासर बालाजी के दर्शन करके लौट रहे थे, चलते ट्रक में कार घुसी, दोनों में आग लगी

संजीवनी टुडे

फतेहपुर। राजस्थान के चूरू सालासर स्टेट हाईवे पर एक्सिडेंट के बाद 7 लोग कार में ही जिंदा जल गए। सालासर बालाजी से दर्शन करके लौट रहे परिवार की तेज रफ्तार कार ट्रक में घुस गई थी, ट्रक के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। मृतक परिवार उत्तर प्रदेश के मेरठ का रहने वाला था। पुलिस के मुताबिक हादसा सीकर के फतेहपुर में रविवार दोपहर 2:30 बजे आशीर्वाद पुलिया पर चढ़ते ही 200 मीटर दूरी पर हुआ था। मरने वालों में नीलम गोयल (55) पत्नी मुकेश गोयल, आशुतोष गोयल (35) पुत्र मुकेश गोयल निवासी शारदा रोड मेरठ, मंजू बिंदल (58) पत्नी नरेंद्र बिंदल, हार्दिक बिंदल (37) पुत्र नरेंद्र, स्वाति बिंदल (32) पत्नी हार्दिक, दीक्षा (7) पुत्री हार्दिक और दीक्षा की 4 साल की बहन शामिल है। कार में गैस किल लगा हुआ था और ट्रक में मेडिकल कौन्टन(रूई) भरी हुई थी। फतेहपुर कोतवाली ड्रम सुभाष बिजारणिया ने बताया कि हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर फतेहपुर, रामगढ़ और लक्ष्मणगढ़ से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गई थी। करीब आधे घंटे में कार में लगी आग पर काबू पाया गया था। वहीं ट्रक में लगी आग पर शाम 4 बजे के करीब काबू पाया गया। हादसे की सूचना पर एसडीएम दमयंती कंवर,



प्रत्यक्षदर्शी बोला- कार सवार मदद को चिल्ला रहे थे

प्रत्यक्षदर्शी रामनिवास सैनी ने बताया- दोपहर करीब 2:30 बजे की बात है। मैं अपनी पिकअप गाड़ी की सर्विस सेंटर पर जा रहा था। पुलिया के ऊपर से गुजर रहा था। तब मेरे पास से निकल रहे ट्रक को पीछे से आई कार ने ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान कार ट्राक से जा टकराई। मैंने अपनी गाड़ी साइड में खड़ी की। तुरंत कार की ओर दौड़ा पीछे बैठे दो लोग मदद की गुहार भी लगा रहे थे। गाड़ी के पीछे लगी गैस किल की टंकी के आग तेज हो गई। इसके बाद मैंने सूचना पुलिस को दी। ट्रक में पीछे से ट्रकवर घुसने के बाद कार में आग लग गई थी। कार में गैस किल लगा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि इसी के कारण आग तेजी से फैली। क्रेन की मदद से कार को हाईवे से हटाया गया। भीषण हादसे में कार पूरी तरह जल गई। कार से शवों को निकाल कर लॉडिंग टेंपो से फतेहपुर के राजकीय धानुका उप जिला अस्पताल ले जाया गया।

डीएसपी रामप्रताप बिशनोई, फतेहपुर सदर एसएचओ मुनेशी मीणा भी मौके पर पहुंचे। नाम नहीं बताने की शर्त पर मौके पर मौजूद एक युवक ने बताया कि गाड़ी से शव निकालते समय एक मोबाइल जला हुआ मिला था। पहले शवों को निकालकर राजकीय धानुका उप जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी पहुंचाया, उसके बाद जले हुए मोबाइल से सिम कार्ड निकाला और अपने मोबाइल में लगाया। मोबाइल में सिम लगाते ही एक कॉल आया। सामने से एक महिला की आवाज आई। उसने बताया कि वो आरके पुरम, दिल्ली रोड, मेरठ से बोल रही है। उसने अपनी मां को कॉल लगाया है। उसकी मां और भाई सेंट्रो कार से सालासर बालाजी दर्शन कर लौट रहे थे।

सलमान खान के घर के बाहर 4 राउंड फायरिंग

सीसीटीवी में फायरिंग करते दिखे दोनों हमलावर, उनकी तस्वीर भी सामने आई

संजीवनी टुडे

मुंबई। सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने रविवार सुबह 5 बजे फायरिंग की गई। दो बाइक से आए हमलावरों ने 4 राउंड फायर किए। जिस वक्त फायरिंग हुई, उस वक्त सलमान अपने घर में ही थे। घटना के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सलमान खान से फोन पर बात की। शिंदे ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को सलमान की सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए कहा है। एक्टर के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खान को लॉरेंस बिशनोई-गोल्डी बराड गैंग ने जान से मारने की धमकी दी थी। इधर, सलमान खान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के ठीक बाहर का एक ड्राइव वीडियो सामने आया है। जिसमें दोनों हमलावर फायरिंग करते दिखे हैं। शाम को फायरिंग करने वालों की तस्वीर भी सामने आई है। मुंबई पुलिस के सूत्रों ने बताया कि फायरिंग पुलिस बंदूक से की गई थी, जो 7.6 बोर की बंदूक थी। फॉरेंसिक एक्सपर्ट को मौके से एक लाइव बुलेट मिली है। पुलिस ने आरोपियों की एक बाइक को भी जब्त कर लिया है। फॉरेंसिक टीम इसकी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी राज्य के बाहर के हो सकते हैं और इनकी लंबाई 5 फीट 8 इंच हो सकती है। सलमान के घर के बाहर जितने भी सीसीटीवी कैमरे लगे थे।



घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस गुप ने ली

इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिशनोई गुप ने ली है। गुप के मेंबर अनमोल बिशनोई ने एक पोस्ट शेयर की है। जिसमें लिखा है कि आने वाले समय में भी सलमान पर हमला हो सकता है। हालांकि पुलिस की तरफ से इस पोस्ट की पुष्टि नहीं की गई है। उनके डीवीआर को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की

घटना के बाद मौके पर पहुंची मुंबई पुलिस, क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने हमलावरों की पहचान करने के लिए आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस के हाथ एक सीसीटीवी फुटेज लगा है जिसमें आरोपी चेहरा ढंके हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना पर मुंबई के पुलिस उपायुक्त राज तिलक रोशन ने कहा, 'इस मामले को मुंबई पुलिस ने रजिस्टर्ड कर लिया है। इसकी तहकीकात क्राइम यूनिट कर रही है। बालकनी पर फॉरेंसिक टीम को गोली के निशान मिले हैं। अब तक सलमान के घर पर दो गोली के निशान मिले हैं। एक बाहरी दीवार पर और दूसरा बालकनी की दीवार पर। इस मामले में मुंबई पुलिस ने गैलेक्सी अपार्टमेंट के 4 वॉचमैन के बयान दर्ज किए हैं, जो घटना के समय वहां मौजूद थे। सलमान बीते 40 साल से अपने परिवार के साथ इसी घर में रह रहे हैं। अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर सलमान का घर है। वो यहां 1 बीएचके शोप अपार्टमेंट में अकेले रहते हैं।

अर्मत्य सेन बोले- विपक्ष में बिखराव, इसलिए ताकत गंवाई

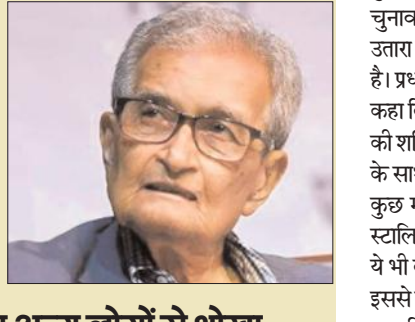
सरकार को अमीरों का ध्यान, निरक्षरता, खराब स्वास्थ्य, लैंगिक असमानता से विकास धीमा

संजीवनी टुडे

कोलकाता। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्मत्य सेन ने कहा है कि देश में विपक्षी एकता नहीं है। इस कारण यह अपनी अधिकतर ताकत खो चुका है। कांग्रेस के संगठन में कई सारी समस्याएँ हैं, जिन्हें सुधारने की जरूरत है। सेन ने कहा कि जातिगत जनगणना पर विचार किया जा सकता है, लेकिन भारत को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और लैंगिक समानता के जरिए वंचितों के अधिक सशक्तिकरण की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत जैसे लोकतांत्रिक देश का नागरिक होने पर बहुत गर्व है, लेकिन देश के डेमोक्रेटिक नेचर को बढ़ाने के लिए और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। सेन ने कहा कि क्रम.क. गठबंधन लोकप्रियता हासिल करने में विफल रहा क्योंकि विपक्षी गुट में शामिल खट्ट और टखक जैसे उसके महत्वपूर्ण सहयोगियों ने साथ छोड़ दिया। संकल्प पत्र की पहली कॉपी गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से आए तीन लोगों को दिया गया। ये वो लोग थे, जिन्हें मोदी सरकार की पिछली किसी न किसी योजना का फायदा मिला।

निरक्षरता और असाधारण लैंगिक असमानता

भारत का शासक वर्ग अमीरों के हितों का ख्याल रखता है। निरक्षरता, खराब स्वास्थ्य व्यवस्था और असाधारण लैंगिक असमानता के कारण देश का विकास धीमा है और गरीबों का प्रगति करना मुश्किल हो गया है। विपक्ष दावा करता है कि बीजेपी सत्ता में वापसी करती है तो संविधान को बदल सकती है इस पर सेन ने कहा कि संविधान को बदलना सरकार का धर्म विशेष पर अधिक फोकस से जोड़ा जा सकता है, लेकिन इसका भारत के आम लोगों को कोई फायदा नहीं होगा।



हिंदुओं पर फोकस करना अन्य लोगों से धोखा

बीजेपी के अयोध्या राम मंदिर, एड्ड के जरिए चुनाव में ज्यादा सीट हासिल करने के सवाल पर सेन ने कहा कि ऐसा विचार करना विश्वासघात है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष संविधान वाला एक धर्मनिरपेक्ष देश है। केवल हिंदू पर फोकस करना बहुसंख्यक हिंदुओं के लिए आसान हो सकता है, लेकिन यह भारत की धर्मनिरपेक्ष जड़ों और बहु सांस्कृतिक प्रकृति को धोखा देना होगा। लोकसभा चुनाव पर अमरत्य सेन ने कहा कि उन्हें भारत जैसे लोकतांत्रिक देश का नागरिक होने पर बहुत गर्व है, लेकिन देश की लोकतांत्रिक प्रकृति को बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली स्थित पाटी दफ्तर में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का मैनिफेस्टो जारी किया। इसे 'भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी' नाम दिया गया है। मोदी के साथ मंच पर जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और निर्मला सीतारमण मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव-2024: उत्तर-पूर्व दिल्ली से कन्हैया कुमार को टिकट, मनोज तिवारी के खिलाफ लड़ेंगे

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार 14 अप्रैल को उम्मीदवारों की सूची जारी की। कांग्रेस की यह 16वीं लिस्ट है। इसमें दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश से 10 नामों का ऐलान किया गया है। उत्तर-पूर्व दिल्ली सीट से कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को टिकट दिया है। वे बीजेपी उम्मीदवार मनोज तिवारी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। वहीं, पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी को जालंधर से उतारा गया है। कांग्रेस अब तक 272 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कर्नाटक के मैसूरु पहुंचे थे। उन्होंने यहां कहा कि इंडी अलायंस के लोग सनातन को समाप्त करना चाहते हैं। हिंदू धर्म की शक्ति का विनाश करना चाहते हैं, लेकिन जब तक मोदी है, जब तक मोदी के साथ आपका आशीर्वाद है, ये नफरती ताकतें कभी भी सफल नहीं होंगी। कुछ महीनों पहले तमिलनाडु सीएम के बंटे और राज्य के सत्र उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की थी। उन्होंने ये भी कहा था कि हमें इसका विरोध नहीं, बल्कि इसे खत्म कर देना चाहिए। इससे पहले भाजपा का मैनिफेस्टो जारी होने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि इनके संकल्प पत्र में दो शब्द गायब हैं - महंगाई और बेरोजगारी। लोगों के जीवन से जुड़े सबसे अहम मुद्दों पर भाजपा चर्चा तक नहीं करना चाहती। युवा इस बार मोदी के झंसे में नहीं आने वाले हैं। वे कांग्रेस का हाथ मजबूत कर देश में रोजगार क्रांति लाएंगे। उधर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने कहा- अपने कार्यकाल में छद्म मोदी ने कोई काम नहीं किया। युवा नौकरों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं, महंगाई के कारण खाने-पीने के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल में सिर्फ बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाई है। भाजपा के मैनिफेस्टो को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मफानेनामा बताया। उन्होंने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- यमराज ने एक मशीन बनाई थी, जिसमें झूठ बोलने पर घंटी बजने लगती थी। आज सुबह से वह घंटी लगातार बज रही है। हैरानी में यमराज ने चित्रगुप्त से पूछा- ये घंटी क्यों बज रही है चित्रगुप्त ने कहा- महाराज, आज मोदी जी का संकल्प पत्र जारी हुआ है।

संजीवनी टुडे

जयपुर। एसएमएस अस्पताल की फर्जी एनओसी से ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में चौंकाते वाला खुलासा हुआ है। गुरुग्राम से हरियाणा पुलिस की गिरफ्त में आए बांग्लादेश के 3 किडनी रिसीवर और 2 डोनर से जयपुर पुलिस को पूछताछ में अवैध ट्रांसप्लांट करने के लिए हुए लेनदेन का हिस्सा सामने आया है। एक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए अस्पताल की फीस के अलावा रिसीवर से 21 लाख रुपए की वसूली होती थी। इसका 3 जगह बराबर बंटवारा होता था। रिसीवर से पूरी रकम दलाल लेता। एक हिस्सा यानी 7 लाख रुपए खुद रखता। बाकी 14 लाख रुपए रिसीवर और डोनर के बीच सगे रिश्ता होने के फर्जी दस्तावेज तैयार करने और जल्दी सर्जरी के लिए अस्पताल व एनओसी देने वाली राज्य स्तरीय कमेटी के नाम पर देता। जयपुर पुलिस ने लेनदेन के इस हिस्सा का उल्लेख चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को एक सप्ताह पहले भेजी गई अपनी रिपोर्ट में भी किया है। फिलहाल, रिपोर्ट में डोनर को मिलने वाली राशि शामिल नहीं की गई है। इसका इंतजाम और भुगतान रिसीवर को अपने स्तर पर अलग से करना होता है।



फोर्टिस के को-ऑर्डिनेटर के घर मिली थी अधूरी एनओसी

एसएमएस से जारी फर्जी एनओसी के आधार पर निजी अस्पतालों में किए ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में एसीबी की टीम फोर्टिस अस्पताल के ऑर्गन को-ऑर्डिनेटर गिरिराज शर्मा को लेकर मणिपाल हॉस्पिटल पहुंची। ऑर्गन ट्रांसप्लांट से संबंधित रिकॉर्ड जन्म किए गए। एसीबी को आरोपियों के पास 1 हजार फर्जी एनओसी जारी करने के इनपुट हैं। एसीबी ने एसएमएस, सूटो व निजी अस्पतालों से 1 जनवरी 2021 से अब तक का ऑर्गन ट्रांसप्लांट का रिकॉर्ड मांगा है। गिरिराज सितंबर 2023 से पहले डॉ. जितेन्द्र गोस्वामी की टीम में मणिपाल में ही था। इधर, एसीबी की गिराज के घर से मणिपाल हॉस्पिटल में किए ऑर्गन ट्रांसप्लांट से संबंधित अधूरी एनओसी और अन्य दस्तावेज मिले थे। डीआईजी डॉ. रवि ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच एडिशनल एसपी भूपेन्द्र के नेतृत्व में की जा रही है।

खबरें फटाफट

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई



संजीवनी टुडे

अजमेर। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। महिला सामाजिक कार्यकर्ता मांगी देवी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नसीराबाद में सुबह से ही लोग पहुंचकर अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। पुष्प अर्पित करते हुए संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को याद किया गया। वहां पर मौजूद लोगों ने बाबा साहब के बारे में वर्णन करते हुए कहा कि बाबा साहब ने संविधान लिखा था। इस संविधान की वजह से हम सभी को समानता का अधिकार मिला है साथ ही उन्होंने भेदभाव हटाने का अधिकार दिया है। इस दौरान अमीन, जगपाल, लक्ष्मण महाराज व एजेंटी प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

द आर्ट फेयर में जयपुर की आर्टिस्ट पायल ने शैकेस की हॉर्स पेंटिंग



संजीवनी टुडे

अहमदाबाद। देशभर के कला प्रेमी अहमदाबाद के सिंधु भवन में एकजुट हुए। मौका था, द आर्ट फेयर की ओर से आयोजित गुप आर्ट एग्जिबिशन का। तीन दिवसीय इस आर्ट एग्जिबिशन में जयपुर की आर्टिस्ट पायल लुल्ला ने अपनी मशहूर हॉर्स पेंटिंग को एजोबित किया। पायल ने बताया कि आर्ट एग्जिबिशन में गुजरात समेत दिल्ली, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल के कलाकारों ने भी अपनी कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई। एग्जिबिशन में 100 से अधिक कलाकारों ने हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि पायल ने जयपुर से इस प्रदर्शनी में हिस्सा लिया।

पेंटिंग बनाकर दिया मतदान करने का संदेश



संजीवनी टुडे

बसवा विजेन्द्र कुमार। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जहां चुनाव आयोग ने विभिन्न कार्यक्रम चलाकर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए पहल कर रखी है। तो वहीं दूसरी ओर छोटे-छोटे बच्चे भी आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने में पीछे नहीं हैं। रविवार को उपखंड के छोटे से गांव धपावन कला के दो बहन भाइयों ने लोकसभा चुनाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पेंटिंग बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। दोनों बच्चे जयपुर में राजकीय महात्मा गांधी इंटरलॉक मीडियम स्कूल में कक्षा 6 व 8 में अध्ययनरत हैं। बच्चों ने कहा कि पेंटिंग के द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए उनकी मां से सीख मिली। दोनों बच्चों की मां भी एक सोशल वर्कर हैं और सेवा परमो धर्म संस्था की संस्थापिका हैं।

अवैध देशी शराब बनाने के उपकरणों को किया नष्ट



संजीवनी टुडे

चाकसू। उपखंड क्षेत्र के थाना शिवदासपुरा की बड़ी कार्यवाही त्वरित कार्यवाही करते हुये अवैध देशी हथकड़ शराब बनाने के उपकरण व 15000 हजार वास नष्ट की गई है। और सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू सुरेंद्र सिंह व थानाधिकारी रणजीत सिंह पुलिस थाना शिवदासपुरा के आदेशानुसार जगदीश प्रसाद उप निरीक्षक मय स्पेशल टीम जाता बनारालाल कानि. संतोष चाहर कानि. कानारा कानि अनशोक कुमार कानि. मय वाहन सरकारी चालक प्रधान कानि. थाना क्षेत्र के ग्राम बगरिया क्षेत्र में स्थित गंदा नाला के किनारे पर अवैध रूप से देशी हथकड़ शराब निकाली जाने वाले स्थानों पर पहुँचकर जगह-जगह पर संचालित अवैध भट्टियों 06 स्थानों पर पर चैक कर समस्त भट्टियों पर करीबन 15000 हजार लीटर वास को नष्ट किया गया व उक्त भट्टियों पर अवैध देशी हथकड़ शराब निकालने के उपकरण नष्ट किया गया और पुलिस गठित टीम में : जगदीश प्रसाद उप निरीक्षक पुलिस थाना शिवदासपुरा, बन्ना लाल कानि नं. पुलिस थाना शिवदासपुरा, जयपुर दक्षिण, संतोष कानि नं. पुलिस थाना शिवदासपुरा , काना राम कानि पुलिस थाना शिवदासपुरा, अशोक कुमार कानि नं पुलिस थाना शिवदासपुरा, प्रधान चालक कानि. पुलिस थाना शिवदासपुरा के इन पुलिस कर्मियों का अवैध देशी शराब की भट्टियों को नष्ट करने में अहम योगदान रहा है।

पीएम मोदी ने अंबेडकर के सपनों को साकार करने का काम किया: उपमुख्यमंत्री बैरवा

संजीवनी टुडे

अंबेडकर जयन्ती की पूर्व संध्या पर भाजपा एससी मोर्चा का सम्मेलन संपन्न

जयपुर। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की ओर से बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयन्ती की पूर्व संध्या पर जयपुर के बिड़ला आडिटोरियम में सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसको संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि संविधान और आरक्षण को लेकर कांग्रेस नेता दुष्प्रचार कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के पीएम बने तो संविधान समाप्त कर दिया जाएगा या दलित आरक्षण समाप्त कर दिया जाएगा। आर्य ने कहा कि दलितों की असली दुश्मन कांग्रेस पार्टी ही है। कुछ समय पूर्व पीएम मोदी ने संसद में पं. जवाहर लाल नेहरू का

उस समय के मुख्यमंत्रियों को लिखा गया एक पत्र पढ़ा था जिसमें नेहरू ने लिखा था कि दलितों को आरक्षण की जरूरत नहीं है और वे सरकारी नौकरियों में आरक्षण का पसंद नहीं करते हैं। आर्य ने कहा कि दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों की कांग्रेस जन्मजात विरोधी है, अगर बाबा साहेब अंबेडकर नहीं होते तो पता नहीं एससी, एसटी को आरक्षण भी मिलता या नहीं। जिस कांग्रेस की अपने नेता की कोई गारंटी नहीं, अपनी नीति की कोई गारंटी नहीं, वो मोदी की गारंटी पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने का काम किया है। मोदी सरकार में बाबा साहब के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को पंचतीर्थ का रूप दिया गया है। अनुसूचित जाति व जनजाति के बंधुओं को को सशक्त व स्वावलम्बी बनाने के



लिए अनेक योजनाएं शुरू की गयीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मंत्र को साकार किया है। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत दलित बहुमूल्य गांवों में दलित परिवारों के लिए आवास, सड़कें, बिजली, रोजगार उपलब्ध कराये गये। दलित युवाओं को स्वल्पान्नी बनाने के लिए केन्द्र सरकार की तरफ से कई योजनाएं चलाई गयीं। प्रधानमंत्री मोदी ने दलित

चेतना को जगाने का काम किया और इसके तहत कई काम किये गये। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 125वीं जयन्ती वर्ष समारोह पर 125 रूपए और 10 रूपए के स्मारक सिक्के जारी किए। यहीं नहीं प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर 14 अप्रैल 2016 को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 125वीं जयन्ती मनाई गई। नोटबंदी के बाद देश बदलने की शुरुआत भीम एप से की गयी। इस दौरान कार्यक्रम में एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा, शहर जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, लोकसभा सहप्रभारी सतीश चंदेल, महापौर सौम्या गुर्जर, लोकसभा समन्वयक शैलेन्द्र भागवत, एससी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री मुकेश गर्ग, शहर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र लोदिया तथा शहर महामंत्री करण घेंघट भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए एससी मोर्चा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए।

भागवत कथा में सुनाया गोवर्धन पूजा का प्रसंग

संजीवनी टुडे

रेनवाल मांजी। डिग्री मालपुरा मेगा हाईवे स्थित अचरावाला गांव में चल रही भागवत कथा में छठे दिन कथावाचक प.सोहनलाल शर्मा ने गोवर्धन लीला के साथ भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का प्रसंग सुनाया। नाथुराम व बुद्धिप्रकाश शर्मा ने बताया कि इस दौरान भगवान के जन्मोत्सव, नामकरण और पूतना वध के साथ माखन चोरी की लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथावाचक प. सोहनलाल शर्मा ने कहा भगवान ने अपनी लीलाओं से जहां कंस के भेजे विभिन्न राक्षसों का संहार किया वहीं ब्रज के लोगों को आनंद प्रदान किया। कथा के दौरान छोटी सी मोहनरी अगुली कैसे पर्वत को उठाया आदि भजनों पर श्रोतागण देर तक नाचते रहे। कथावाचक ने कहा कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था उसका गर्व दूर करने के लिए भगवान ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू करा दी। इससे गुस्साएं इंद्र ने ब्रजमंडल पर भारी बरसात कराई। प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान ने कनिष्ठा उल्लोपी पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ। समीपम कथा के दौरान भजनों पर पांडाल में उपस्थित श्रद्धालु भजनों पर नाचते रहे।

चाकसू में 15 दिन गुजरने के बाद भी राशन की दुकानों पर नहीं पहुंचा अप्रैल का गेहू, उपभोक्ता व डीलर्स में हो रही तू-तू-में-में

संजीवनी टुडे

चाकसू। इन दिनों चाकसू उपखण्ड में संचालित राशन की दुकानों पर अप्रैल माह का गेहू 15 दिन बाद गुजरने के भी गेहू नहीं पहुंचने से उचित मूल्य दुकानदारों व उपभोक्ताओं में रोजाना तू-तू-में-में हो रही है। गौरतलब है कि हर माह राशन की दुकानों पर 1 तारीख से गेहू वितरण शुरू हो जाता है लेकिन इस बार 15 दिन गुजरने के बाद भी दुकानों पर गेहू नहीं पहुंचा जिससे उपभोक्ता राशन की दुकानों पर चक्कर लगा-लगा कर थक चुके हैं वहीं डीलर्स ने परेशान होकर दुकानों पर ताले लटका दिए हैं। इस मामले उपभोक्ता दिनेश, राधा देवी, अनिता, व गफूरन ने बताया कि हर बार तो माह की पहली तारीख को ही गेहू मिल जाता था लेकिन इस बार दुकानें बंद हैं डीलर्स कहते हैं गेहू नहीं आया मजबूरन महंगे दामों पर बाजार से गेहू खरीदने को विवश है। इस सम्बंध में खाद्य आपूर्ति निगम के प्रबंधक लोकेश तीसरा ने बताया कि ट्रांसपोर्ट की



मनमर्जी की वजह से गेहू नहीं उठ पाया है जिसकी शिकायत उच्च अधिकारियों को कर दी गयी है। यहां बता दें कि चाकसू अरबन में 1206 किंवटल में से 252 किंवटल गेहू ही पहुंचा है इसी तरह चाकसू ग्रामीण में अप्रैल के 3173 किंवटल आवंटन में 2360 व कोटखावदा तहसील में 3419 में 1065 किंवटल ही गेहू ही पहुंचा है।

मिशन स्व. सुन्दर कुमार अनावडा के पीड़ित परिवार में सहारा बना सोशल मीडिया

संजीवनी टुडे

राजगढ़। तहसील के दुबुब्बी पंचायत के अनावडा गांव में स्व. सुन्दर कुमार का आकस्मिक निधन हो गया था वहीं इस पीड़ित परिवार का एकमात्र सहारा थे जो नेशनल मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा था। अब उस पीड़ित परिवार में उसकी विधवा पत्नी जो मानसिक रूप से मंदबुद्धि है और दो छोटी छोटी अनाथ बच्चियां हैं जो बिल्कुल असहाय हो गईं। उनकी हालात और शिक्षा दीक्षा को देखते हुए सर्व समाज नवयुवक हेल्प टीम, सर्व समाज हेल्प टीम, राष्ट्रीय जन सेवा टीम और ग्रामवासियों ने सोशल मीडिया पर एक सहायता मिशन चलाया। जिसमें सर्व समाज के बंधुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। राष्ट्रीय जन सेवा टीम के कमलेश मीना व हजारी मास्टर अनावडा ने बताया कि इस मिशन में 5100 रु मुनी विनोद सरपंच दुबुब्बी, 5100 रु हजारीलाल बैरवा, 3100रु रामनारायण बाबूजी आदि के उच्चतम सहयोग के साथ कुल सहयोग राशी 130000रु हजार रूपए रही जिसमें से दोनों बच्चियों के नाम 60- 60 हजार रूपए की एफडी करवाने का निर्णय लिया तथा शेष राशी जो आज रविवार 14 अप्रैल को घर खर्च हेतु मृतक की धर्मपत्नी पुनम देवी को सौंपी गई। साथ ही स्व.सुन्दर बैरवा की याद में राष्ट्रीय जन सेवा टीम ने एक फलदार पीथा लगाया और एक बेजुबान पक्षियों के लिए पानी का परिंडा लगाया गया। इस मिशन में कमलेश



मीना, कैलाश बैरवा रेलवे, सीताराम अनावडा, रामप्रसाद टाट्ट, हजारी मीना दिल्ली पुलिस, रामसिंह बडला, हजारी लाल, जितेंद्र प्रजापत अनावडा, ललित फिरोजपुर, हंसराज कावेली, हीरा लाल, अमीचंद मीना, सुरेंद्र, सुरेश व बिजेंद्र कुंडरोली व उपस्थित आदि सदस्यों ने ग्रामवासियों के साथ सक्रिय भूमिका निभाई मीडिया को राम सिंह बड़ला व सुखदेवा मास्टर ने बताया कि मिशन समापन के अवसर पर मुनी विनोद सरपंच दुबुब्बी, राष्ट्रीय जन सेवा टीम के रामसिंह बडला, हंसराज व अमीचंद कावेली, खेमराज एलआरसी, रामेश डेयरी सचिव, सुंदर कुंडरोली, सुरेश कुंडरोली, रामसिंह टट्टडा, गणधारी धानेदार डाबला अध्यक्ष, सरोज सरपंच पाटन, मिट्टन खोड़ा चंद्रपुर, सुखदेवा मास्टर करनावर, हेरिराम फौजी सुनील व शैतान भांकोरी, विक्रम फौजी, रामकेश रतनपुरा, कालू फौजी, हजारी मास्टर, कमलेश मीणा सीआरपीएफ, लोकेन्द्र भाटी, जितेंद्र प्रजापत आदि अनावडा ग्रामवासी सहित तीनों टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

पक्षियों के लिए परिंडे लगाए



संजीवनी टुडे

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध पीजी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने राधा रानी फाउंडेशन के साथ मिलकर पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का अभियान चलाया। डॉ विशाल गौतम (कार्यक्रम अधिकारी), जितेंद्र धाकड़ (अध्यक्ष), अमोलक बैरवा (उपाध्यक्ष) एवं रितिका मीणा (महारासचिव) के निर्देशन में परिंडा महोत्सव 2024 कार्यक्रम के तहत राजस्थान जन मंच पक्षी चिकित्साल के सहयोग से गर्मियों की शुरुआत के साथ ही प्यासे पक्षियों की सहायता हेतु झालाना लैपडॉ संसुचरी एवं काली माता मंदिर परिसर में 51 परिंडे लगाकर परिंडा महोत्सव की शुरुआत की। इस अभियान के तहत पूरी गर्मियों में अलग-अलग स्थानों पर लगभग 500 परिंडे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एस पी भटनगरा (क्षेत्र निदेशक एन एच, कमल लोचन (सचिव, राजस्थान जन मंच), डॉ पवन शर्मा, डॉ राजेंद्र कुमार मीणा, डॉ राधा कृष्ण एवं डॉ सुधीर वर्मा उपस्थित रहे। शिविर में सोनिया मीणा, अक्षय कुमार मौर्य, शुभम पारीक के साथ सभी स्वयंसेवकों का योगदान रहा।

चाकसू में अंबेडकर जयंती पर हुआ खास आयोजन जिसमें शरीक हुआ हर आम और खास

संजीवनी टुडे

डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा राव फुले को किया नमन

चाकसू। भारतीय संविधान के जनक भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती पर रविवार को कई कार्यक्रम हुए। विधायक रामावतार बैरवा ने बाबा साहेब अंबेडकर व महात्मा फुले उनकी जयंती पर पुष्प स्मरण कर विनम्र नमन किया है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक तथा शोषित-पीड़ितों की आवाज बुलंद करने वाले बाबा साहेब अंबेडकर हर भारतीय के हृदय में विराजते हैं। उनकी संघर्ष गाथा व जीवन मूल्य सर्वदेव देश की पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी। वहीं महात्मा ज्योतिबा फुले ने महिलाओं को शिक्षित व समाज सुधार में अपना जीवन समर्पित किया। इसके तहत सुबह बैरवा छात्रावास से विधायक रामावतार बैरवा व पालिका चेरमैन कमलेश बैरवा द्वारा मोटर साइकिल वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर जन-जन तक अंबेडकर के आदर्शों को लेकर संदेश दिया गया। समिति अध्यक्ष जुगलकिशोर बौद्ध व प्रवक्ता धर्मेश तामडिया ने बताया कि कोटखावदा मोड़ स्थित



अंबेडकर साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्जलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। रैली में शामिल विधायक रामावतार बैरवा सहित पालिका चेरमैन कमलेश बैरवा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भरतलाल मीणा, हनुमान सिंह सैनी, सीताराम मंडावरिया, वरिष्ठ कार्यकर्ता लादुराम वर्मा, चिंरंजीलाल कराड़िया, रत्न लाल व सोनू बैरवा, आशीष भाल्मीक, प्रहलाद धमानिया सहित सैकड़ों युवा व महिला शक्ति अंबेडकर के नारे लगाते चल रहे थे। 'जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा आपका नाम रहेगा' के जय भीम नारे के साथ पुरा वातावरण गूंजमान था। द ग्रेट बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर मूल्यावामी वेलफेयर संघ के तत्वावधान जयंती समारोह समिति द्वारा रविवार को बीआर अंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह एवं

सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया। जिनमें पुष्पार्जलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। रैली में शामिल विधायक रामावतार बैरवा सहित पालिका चेरमैन कमलेश बैरवा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भरतलाल मीणा, हनुमान सिंह सैनी, सीताराम मंडावरिया, वरिष्ठ कार्यकर्ता लादुराम वर्मा, चिंरंजीलाल कराड़िया, रत्न लाल व सोनू बैरवा, आशीष भाल्मीक, प्रहलाद धमानिया सहित सैकड़ों युवा व महिला शक्ति अंबेडकर के नारे लगाते चल रहे थे। 'जब तक सूरज चांद रहेगा बाबा आपका नाम रहेगा' के जय भीम नारे के साथ पुरा वातावरण गूंजमान था। द ग्रेट बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर मूल्यावामी वेलफेयर संघ के तत्वावधान जयंती समारोह समिति द्वारा रविवार को बीआर अंबेडकर एवं महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती समारोह एवं

कांग्रेस की गारंटी भाजपा ने चुराई, खोखली है मोदी की गारंटी: प्रियंका गांधी

संजीवनी टुडे

भीनमाल। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने रविवार को जालोर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत के समर्थन में भीनमाल के शिवराज स्टेडियम में आयोजित जन आशीर्वाद सभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने कांग्रेस का गारंटी शब्द चुरा लिया और कांग्रेस के तर्ज पर गारंटी देने लगे। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने आमजन से वादा किया था कि कालाधन वापस लाया जाएगा, 2 करोड़ नौकरियों दी जाएंगी, 15-15 लाख रुपये टैक्सपेयर्स के खाते में आएंगे, किसानों की आमदनी दोगुनी की जाएगी, लेकिन हकीकत में इनमें से एक भी वादा मोदीजी पुरा नहीं कर पाए। उनकी सारी गारंटियां खोखली बातें हैं, झूठे वादे हैं। कांग्रेस यदि गारंटी देती है तो उसे पूरा भी करती है, चाहे आप ओपीएस देख लो या हर परिवार की महिला मुखिया को 1 लाख रूपए देने की गारंटी, कांग्रेस शासित राज्यों में यह पूरी भी की जा रही है। प्रियंका ने कहा कि भाजपा द्वारा जनता को धर्म के नाम पर, झूठे वादे करके, ध्यान बंटाने वाली बातें बोलकर बगलाना जाएगा, लेकिन चुनाव-उत्तरे ही जो जनता के लिए काम कर सके और जालोर-सिरौही की तरक्की कर सके। उन्होंने आमजन से अपील की कि 26 अप्रैल को सोच समझकर और जागरूक होकर जनता के कल्याण में काम करने वाली कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार वैभव



गहलोत को वोट करना है। प्रियंका ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार चिंरंजीवी योजना लाई थी, लाखों परिवारों ने इसका लाभ उठाया, लेकिन अब 25 लाख का मुफ्त इलाज मिलने वाली योजना भाजपा सरकार ने बंद कर दी है और इसके कारण आमजन जनता इलाज से वंचित हो रही है। किसी कोई इलाज के लिए जमीन बेचनी पड़ रही है तो कोई कर्ज ले रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में महंगाई आसमान छू रही है, पेट्रोल डीजल, सिलेंडर के दाम बहुत ज्यादा हैं। जीएसटी लगाकर खेती में काम आने वाली वस्तुएं महंगी कर दी हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव आते हैं तो मोदीजी को जनता परेशान नजर आती है, तब

सिलेंडर की राशि कम कर राहत का झुझुका पकड़ा दिया जाता है। अब सेना में रोजगार के नाम पर अर्धनवीर योजना लाए हैं, जो देश के प्रति समर्पित नौजवानों के साथ खिलवाड़ कर रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने तय किया है कि सरकार आने पर केंद्र में 3 लाख लोगों को नौकरियों दी जाएंगी। 5000 करोड़ रुपये के फंड से युवाओं के लिए स्टार्टअप शुरू करा जाएंगे। पेपरलीक रोकेन सख्त कानून लागू होगा। स्नातक कर चुके युवाओं को 1 लाख रुपये की ऑरेंटेशनशिप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक सम्मान मिले इसलिए महिला मुखिया को 1 लाख रुपये की मदद दी जाएगी। देश में 50 प्रतिशत नई

नौकरियां महिलाओं को मिलेगी। एमएसपी कानून बनाकर फसल की सही कीमत दिलवाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों की वजह से आज देश में लोकतंत्र खतरे में आ गया है। भाजपा संविधान को बदलना चाह रही है। कांग्रेस के बैंक खातों को सीज कर दिया गया ताकि पार्टी चुनाव ही न लड़ सके। नरेन्द्र मोदी झूठ बोलकर जनता को बेवकूफ बना रहे हैं। ईडी, सीबीआई जैसी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों को जेल में डाल दिया गया है। इलेक्ट्रोल बॉन्ड सबसे बड़ा घोटाला है, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद चंदे के धंधे का खुलासा हो चुका है। कोरोना की वैकसीन बनाने वाली कंपनियों तक को केंद्र की भाजपा सरकार ने नहीं छोड़ा गहलोत ने कहा कि वैभव ने प्रण लिया है कि जालोर लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं को दूर करना है। यहां के लोगों की ट्रेन, पानी आदि की जो भी समस्याएं हैं, उसे सभी कांग्रेसजन मिलजुल कर दूर कर देंगे। चुनाव के बाद भी मेरा और वैभव का यहां से रिश्ता कायम रहेगा। उन्होंने 26 अप्रैल को वैभव को समर्थन देने की अपील की। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पिछले 10 साल से पीएम नरेन्द्र मोदी जुलुसे दे रहे हैं, उनको गारंटीयां फेल हो रही हैं। केंद्र की भाजपा सरकार तानाशाही की सरकार है, इस सरकार ने विकास के काम नहीं कराए हैं, इसकी एक नजीर जालोर के भाजपा सांसद हैं। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस गारंटियां देती है तो उसे पूरा भी करती है। यही वजह है कि कांग्रेस की पिछली अशोक गहलोत सरकार के कार्यों को आज भी लोग याद कर रहे हैं। उन्होंने जालोर क्षेत्र की जनता से अपील की कि इस बार भाजपा के उम्मीदवार का मोरया बोलना है। कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत ने कहा कि यहाँ 20 साल में भाजपा सांसदों ने जालोर, सांचौर, सिरौही की जनता की उषेधा की है। यही कारण है कि यहाँ की जनता आज भी पानी, ट्रेन और एयरवेज कनेक्टिविटी, रोजगार, व्यापार के मामले में परेशानियां झेल रही है। उन्होंने आमजन को भरोसा दिलाया कि वे जनता की छोटी से छोटी समस्या को दूर करने का प्रयास करेंगे। यह उनकी कर्मभूमि है और वह यहाँ की जनता के सुख-दुख में हमेशा साथ खड़े नजर आएंगे। कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत के समर्थन में आयोजित जनसभा में राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, राजस्थान सांसद नीरज डांगी, विधायक समरजीतसिंह, विधायक तनज देवासी, मोतीराम कोली शामिल हुए। इनके अलावा संयम लोढ़ा, पूर्व मंत्री सुखराम बिरनोई, हीरालाल बिरनोई, लीलाराम गारासिया, संजय चौधरी, रमीला मेघवाल, पुंखराज पाराशर, भरोलाल मेघवाल, आनंद जोशी, उमरसिंह चान्दरई, गंगाबन गारासिया, लाल सिंह राठौड़, सवाराम पटेल, हेमसिंह शेखावत, लोकेंद्र सिंह कुम्पावत सहित पछाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

राजनीतिक दस्तक को अनसुना करना



भारत त्योहारों और परंपराओं का देश है। हर त्योहार का अपना महत्व है। अप्रैल का महीना पर्व और त्योहारों का है। इस माह नवरात्रों के साथ चैतीचंड, गणगौर, दुर्गाष्टमी, रामनवमी, फुले जयंती, महावीर जयंती अंबेडकर जयंती, परशुराम जयंती, गुड फ्राइडे हनुमान जयंती, और सब बारात जैसे बड़े त्योहार आते हैं जो जीवन में खुशी और उमंग लाते हैं।

मेले एवं त्योहार हमारी समृद्ध संस्कृति, परम्परा एवं रीति-रिवाजों के परिचायक हैं। मेले और उत्सवों के आयोजन से हमारी संस्कृति को संजोने और सहेजने को बल मिलता है, साथ ही साथ नई पीढ़ी को हमारी स्मृद्ध संस्कृति एवं परम्पराओं का भी ज्ञान होता है। मेलों के आयोजन से भाईचारा, सद्भाव कायम रहता है। मेले ग्रामीण समाज को जीवंत बनाते हैं।

मेलों के माध्यम से अनेक प्रकार की वस्तुएं एक स्थान पर बिकने आती हैं और साथ ही दर्शकों का मनोरंजन होता है। जब किसी एक स्थान पर बहुत से लोग किसी सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक या अन्य कारणों से एकत्र होते हैं तो उसे मेला कहते हैं। मेले और त्योहार भारत का एक बड़ा आकर्षण है। यह इस देश की जीवंत संस्कृति को तो दिखाते ही हैं साथ ही यह भारत के पर्यटन उद्योग में भी बहुत खास जगह रखते हैं। भारत की समृद्ध संस्कृति के असली रंग दिखाने के अलावा ये मेले और त्योहार देश में सैलानियों के आने के लिए आकर्षण पैदा करने में बहुत महत्व रखते हैं। ये त्योहार देश के लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। मेले भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग रहे हैं। वास्तव में एक दूसरे के निकट आने और आपसी सहयोग और सौहार्द की भावना ने मेलों को जन्म दिया जिसकी झलक वर्तमान भारत में भी देखी जा सकती है।

भारत मेलों और तीज त्योहारों का देश है। यहाँ दुनियाँ के सबसे ज्यादा त्योहार मनाये जाते हैं। यही पर दुनियाँ में सबसे ज्यादा मेलों का आयोजन होता है। इनमे से कुछ मेले तो दुनिया के सबसे बड़े व विशाल मेलों में शुमार हैं जिन्हें देखने पूरी दुनिया से हर साल लाखों लोग भारत आते हैं। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में मेलों का विशेष महत्व है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक तक न जाने कितने प्रकार के मेले भारत में लगते हैं। इन सभी मेलों का अपना अपना महत्व है। मेलों को संस्कृति और रंगीन जीवन शैली का पैरोरमा कहा जा सकता है। इन मेलों में आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप का अद्वितीय और दुर्लभ सामयिक दिखाने देता है, जो कहीं और नहीं दिख पाता। मेले न केवल मनोरंजन के साधन हैं, अपितु ज्ञानवर्द्धन के साधन भी कहे जाते हैं। प्रत्येक मेले का इस देश की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक परम्पराओं से जुड़ा होना इस बात का प्रमाण है कि ये मेले किस प्रकार जन मानस में एक अपूर्व उल्लास, उमंग तथा मनोरंजन करते हैं। मेला स्थानीय लोक संस्कृति, परंपरा और लोक संस्कारों के विविध रूपों को अभिव्यक्त करने का एक माध्यम है।

मेले, लोकसंस्कृति और परंपरा के माध्यम से आस्था, उमंग और उत्सव की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। मेलों का आयोजन प्रायः किसी पर्व या त्योहार के अवसर पर किया जाता है। मेला हमारे समाज को जोड़ने तथा हमारी संस्कृति और परंपरा को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाता है। यह उत्पादकों और खरीददारों के लिए बाजार भी उपलब्ध कराता है। खाने-पीने से लेकर मौज-मस्ती की सभी चीजें मेले को आकर्षक बनाती हैं। मेलों में कहीं लोकगीतों की लहरियाँ हमारे दिल के तार को झंकृत करती हैं तो कहीं लोकनृत्य के माध्यम से हमारे तन-बदन में थिरकन पैदा होने लगती हैं।

मेले जीवन धारा को आनंद प्रदान करते हैं। शान्ति, सहयोग और साम्प्रदायिक एकता को बढ़ाते हैं। मेलों का सांस्कृतिक पक्ष कला प्रदर्शन तथा सद्भावनाओं की अभिवृद्धि है। मेलों का महत्व देवों और देवियों की आराधनाओं की सिद्धि के लिए मनुष्य देवालयाँ में जाते हैं। मेलों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सांस्कृतिक परिपाटी प्रवाहित होती है जो संस्कृति की निरन्तरता के लिए आवश्यक है। इसके अतिरिक्त मेले व्यापारिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर पशु मेले तथा इसका मनोरंजन के लिये भी महत्व है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेघ (बु, च, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ): आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो): सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ड,छ,के,को,ह): कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपको बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो): किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अशुभ काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे): परिवार के बड़े सदस्यों की आज मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पी, पू, घ, ण, ठ, ठे, ठो): आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटें कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते): आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू): व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, डा, भे): आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी): आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा): आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसकी नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, ध, झ, ज, दे, दो, वा, वी): आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। लाभ धीमी गति में चलाएँ, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

देश के चुनाव में 'बाहरी और स्थानीय' का मापदंड

कहने को तो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारतवर्ष में होने वाले चुनाव पूरे भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए कौतूहल का कारण बनते हैं। प्रायः दुनिया के कई देशों के नेता व अधिकारीगण भी इन चुनावों व इसकी प्रक्रिया को निकट से देखने के लिए भी भारत आते रहे हैं। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि इस अति लोकप्रिय भारतीय संवैधानिक व लोकतान्त्रिक प्रक्रिया का अब काफी हद तक ह्रास हो चुका है। कभी जो चुनाव सरकार व सत्ता की उपलब्धियों व उसकी नाकामियों पर आधारित हुआ करते थे, जो चुनाव पार्टियों के चुनावी घोषणापत्र में किये गए वादों को पूरा करने न करने पर आधारित होते थे वही चुनाव धीरे धीरे जाति व धर्म पर आधारित होते गए। वही चुनाव क्षेत्रीय राजनीति व भाषा आदि पर आधारित होते गए। परन्तु पिछले कुछ वर्षों से तो चुनाव प्रचार का दर्रा ही बिल्कुल बदल चुका है। राजनैतिक दलों की प्रतिद्वंद्विता इस स्तर तक जा पहुंची है कि सत्ता हासिल करने के लिए राजनैतिक दलों के नेतागण एक दूसरे को बदनाम करने व नीचा दिखाने के लिए न केवल उन पर निजी स्तर पर हमले करने लगे हैं बल्कि उन्हें बदनाम करने व नीचा दिखाने के लिए उन्हें देश व देश की एकता व संप्रभुता का दुश्मन तक बताने लगे हैं। अपने विरोधियों को धर्म-जाति विशेष का हितैषी यहाँ तक कि चीन अथवा पाकिस्तान का हितैषी व भारत विरोधी भी बताने लगे हैं। और तो और देश में होने वाले चुनावों में अब बाहरी व स्थानीय जैसे निरर्थक आरोप प्रत्यारोप भी किये जाने लगे हैं।

नेताओं द्वारा जनता के बीच में इस तरह का विषमवमन करने के जरूरत वैसे तभी होती है जब इनके पास विकास के लिए बात करने के लिए कुछ न हो। इनके पास न ही अपनी उपलब्धियाँ बताने के लिए कुछ हो और न ही चुनावों में किये गए वादों को पूरा करने का इनके पास कोई जवाब हो। ऐसे में सबसे आसान तरीका यही होता है कि जनता को भावनाओं पर आधारित मुद्दों में उलझाकर उनका ध्यान वास्तविक व जनहितकारी मुद्दों से भटकाकर रखा जाए। बंगाल के चुनावों में पूरी तरह से इन्हीं हथकंडों का इस्तेमाल किया गया। बंगाल में जबसे भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनाव प्रचार में 'जय श्री राम' के उद्घोष को अपने चुनावी प्रचार का सबसे प्रमुख 'शस्त्र' बनाया तभी से बंगाल चुनाव इन्हीं नेताओं की 'संकीर्ण व स्वार्थी मानसिकता' के चलते गोया देवी देवताओं का भी 'युद्ध क्षेत्र' बन गया। ममता बनर्जी ने 'जय श्री राम' के जवाब में दुर्गा व चंडी देवी की पूजा का जवाब लिया यहाँ तक कि अपना गोत्र भी बता डाला जिसकी आज तक उन्होंने जरूरत महसूस



विचार बिन्दु

गोया शब्दों की इन निरर्थक बानगियों और तुकबंदियों से साफ़ लगने लगा है कि देश के चतुर व चालबाज नेता अब यह समझ चुके हैं कि देश की जनता को स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, प्लाई ओवर, सड़कों व अन्य जनहितकारी योजनाओं से कोई लेना देना नहीं। राजनैतिक दलों की नजरों में आज इन वास्तविक मुद्दों से अधिक प्रभावी मुद्दे बाहरी-भीतरी, कांग्रेस इटली की, कम्युनिस्ट चीन के, ममता मुसलमान हैं, मंदिर-मस्जिद, पहले अयोध्या अब वाराणसी, लव जिहाद क्रानून, तीन तलाक़क्रानून, एन आर सी /सी ए ए, कोरोना मरकज और जमाअत से फैलता है कुंभ से नहीं आदि रह गए हैं।

नहीं की थी। गोत्र बताने की नौबत इसलिए भी आई क्योंकि भाजपाइयों ने उन्हें ममता बनर्जी के बजाए 'ममता बेगम' 'पुकारना शुरू कर दिया था। और यही निरर्थक एवं बेहूदा चुनाव प्रचार इस स्तर तक आ पहुंचा कि ममता बनर्जी ने राम बनाम दुर्गा का रूप ले रही इस चुनावी मुहिम में 'स्थानीय व बाहरी' का राग भी छेड़ दिया। गोया बंगाल के चुनाव को बंगाली व गैर बंगाली के बीच हो रहा चुनाव प्रचारित करने की कोशिश की।

परन्तु भारतीय जनता पार्टी जिसे कि अपने विरोधियों द्वारा अपने ऊपर उछाले गए पत्थरों से ही

अपना महल तैयार करने में पूरी महारत हासिल है, के द्वारा पिछले दिनों बाहरी और भीतरी की जो परिभाषा गढ़ी गयी वह वास्तव में आश्चर्यजनक थी। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों एक जनसभा में कांग्रेस को बाहरी पार्टी बताते हुए कहा कि इसका नेतृत्व इटली का है। उनका इशावा सोनिया गांधी की ओर था। इसी तरह उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी की विचारधारा को विदेशी बताया। और तो और ममता के अल्पसंख्यक समर्थकों को घुसपैठिया बताते हुए शाह ने कहा कि ममता बाहरी लोगों के 'वोट बैंक' पर आश्रित हैं साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे और प्रधानमंत्री मोदी



निर्मल राठी

देवताओं को इसलिए प्रिय है अगहन मास, इस तरह मिलेगी प्रभु की विशेष कृपा

हिंदू पंचांग में हर माह का अपना अलग ही महत्व है। हिंदुओं के लिए अगहन माह का विशेष रूप से महत्व है क्योंकि इस माह को भगवान ने स्वयं की ही संज्ञा दी है जिसकी वजह से इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। ऐसी मान्यता है कि सतयुग में देवताओं ने मार्गशीर्ष मास की प्रथम तिथि को ही वर्ष का प्रारंभ किया था। दरअसल, अगहन को मार्गशीर्ष के नाम से भी जाना जाता है। इसे लेकर कई तरह के तर्क दिए जाते हैं अनेक लोक कथाएं भी प्रचलित हैं। कुछ का उल्लेख तो हमें पुराणों में भी मिलता है, किंतु यहाँ हम आपको इस माह से जुड़ी कुछ विशेष बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मान्यता है कि इस माह में भगवान विष्णु की या उनके ही स्वरूप भगवान कृष्ण की पूजा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यह माह उनके पूजन के श्रेष्ठ माह में से एक बताया जाता है। जोता है कि यदि शंख का पूजन कर उसमें जल भरकर भगवान विष्णु को अर्पित किया जाए और उसी जल को पूरे घर में छिड़का जाए तो क्लेश, ओषध, कलह का निवारण होता है। और घर में शांति आती है। शंख मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। ऐसा भी उल्लेख मिलता है कि समुद्र मंथन के दौरान ही शंख समुद्र से अवतरित हुआ था जिसकी वजह से भी इस माह में शंख पूजन



का महत्व बढ़ जाता है। नया शंख खरीदना और भगवान के समीप रखकर उसका पूजन करने से भी विशेष पुण्य फल प्राप्त होते हैं। मान्यता है कि किसी भी प्रकार दुखों के निवारण के लिए यदि इस दौरान भगवान से कामना की जाए तो मन्तव्य अवश्य ही पूर्ण होती है।

इसी माह में दत्तात्रेय भगवान की जयंती भी मनायी जाती है अतः उनका पूजन भी विशेष फलों को प्रदान करने वाला बताया गया है। अगहन माह में ही चंद्रमा को सुधा दौरान ही शंख समुद्र से अवतरित हुआ था जिसकी वजह से भी इस माह में शंख पूजन

तिथि पर चंद्रमा पूजन अतिश्रेष्ठ माना गया है। यही नहीं यदि आपके घर में भगवद्गीता है तो दिन में एक बार उसे अवश्य ही प्रणाम करें, इससे भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसे हिंदू पंचांग का नौवां महीना माना गया है। अतः विद्वानों का मत है कि यदि पवित्र नदियों में स्नान कर पवित्र मन से भगवान विष्णु का पूजन किया जाए तो सभी मनोकामनाएं अवश्य ही पूर्ण होती हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि करण्य ऋषि ने इसी माह कश्मीर प्रदेश बसाया था और अपनी सुंदर कल्पना को धरती पर साकार किया था, जिसकी वजह से भी इसका महत्व बढ़ जाता है।

राज्यों के महत्वपूर्ण चुनाव के नतीजे 'ऊंट किस करवट बैठेगा'

विचार बिन्दु



संजीव ताकुर

पुदुचेरी में कई वर्षों से क्षेत्रीय पार्टियों का दबदबा था, पर अब वहां भारतीय जनता पार्टी की पकड़ बहुत मजबूत होने के कारण उसका भविष्य भी कभी उदीयमान दृष्टिगोचर होता है

पांच राज्यों के चुनाव में पश्चिम बंगाल में मतदान होना शेष है, वैसे तो चुनाव हमेशा महत्वपूर्ण होते हैं, पर इस बार चुनाव कुछ ज्यादा ही महत्वपूर्ण दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम बंगाल, तमिल नाडु, केरल और आसाम का चुनाव भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस, और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए है, यह तो चुनाव के नतीजे ही बताएंगे कि किसकी इज्जत दांव पर लगती है। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु केरल और पुदुचेरी में एक साथ आम चुनावों ने भारतीय राजनीति में काफी उथल-पुथल मचा रखी है। और इन चुनावों में जीत के साथ वहां की क्षेत्रीय पार्टियों का आंकलन तथा भविष्य भी तय करेगा। यह पांचो राज्य क्षेत्रीय पार्टियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण चुनाव हैं।

वहीं राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी तथा वामपंथी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए जी काफी संवेदनशील है। 2011 में पश्चिम बंगाल में विगत वर्षों से काबिज कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस सरकार के वचकत्व को खत्म कर तृणमूल कांग्रेस लगातार दस वर्षों से अपना शासन चला रही है। इस चुनाव में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के विपक्ष में

भारतीय जनता पार्टी एक सशक्त विपक्ष का शेर अदा कर रही है। यह तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे कि तृणमूल कांग्रेस जीतेगी या भारतीय जनता पार्टी पर निश्चित तौर पर यह नतीजा ऐतिहासिक ही होगा। क्योंकि 2011 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। और अब महत्वपूर्ण विपक्ष पार्टी बनकर चुनावी मैदान में सत्ताधारी दल के सामने खड़ी है। असम में भाजपा की सरकार शासन चला रही है, और वह इस बार अपनी सत्ता को बचाने के लिए पूरी तरह मैदान में उड़ी हुई है। यहाँ कांग्रेसी भी अपने विश्वास पात्र लोगों के साथ मैदान में लगे हुये हैं। असम का चुनाव भी मूलतः कांग्रेस और भाजपा के मध्य होगा। और केरल में कांग्रेस के आलाकमान तथा केंद्रीय नेतृत्व के राहुल गांधी के लिए प्रतिष्ठा वाला चुनाव होगा। क्योंकि केरल वायनाड जिले के सांसद के रूप में राहुल गांधी संसद तक पहुंचे हैं। वहां मुकाबला कांग्रेस तथा लेफ्ट से होगा, अभी वहां लेफ्ट की सरकार शासन कर रही है, पर केरल में हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन होता है, इस हिसाब से कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि वह इस बार केरल में जीत कर सत्ता संभालेगी। भारतीय जनता पार्टी 2011 में मात्र

एक सीट जीत पाई थी, पर इस बार उन्होंने मेट्रो मैडन ई श्रीधरन को कमान सौंपी है। लेफ्ट और कांग्रेस इस चुनाव को काफी गंभीरता से लेकर रणनीति बनाकर चुनाव लड़ रही हैं। पुदुचेरी में भाजपा का कोई नाम लेने वाला भी नहीं था, परंतु आज पुदुचेरी में भाजपा पूरे लाव लश्कर के साथ चुनावी मैदान में विपक्ष का शेर अदा कर रही हैं। पुदुचेरी का चुनाव भी भाजपा के लिए अहम है।

तमिल नाडु में विगत कई वर्षों से जयललिता तथा करुणानिधि का राज रहा है, उसके बाद उनके चले चर्पाटियों ने राज करने की कोशिश भी की, जयललिता लगभग 6 बार भी मूलतः कांग्रेस और भाजपा के मध्य होगी। और केरल में कांग्रेस के आलाकमान तथा केंद्रीय नेतृत्व के राहुल गांधी के लिए प्रतिष्ठा वाला चुनाव होगा। क्योंकि केरल वायनाड जिले के सांसद के रूप में राहुल गांधी संसद तक पहुंचे हैं। वहां मुकाबला कांग्रेस तथा लेफ्ट से होगा, अभी वहां लेफ्ट की सरकार शासन कर रही है, पर केरल में हर 5 साल में सत्ता परिवर्तन होता है, इस हिसाब से कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि वह इस बार केरल में जीत कर सत्ता संभालेगी। भारतीय जनता पार्टी 2011 में मात्र

अलावा किसी भी अन्य बोलचाल को पसंद नहीं करते, ऐसे में पांचो राज्यों के मतदाता अपनी अपनी क्षेत्रीय पार्टी को महत्व देते हैं या केंद्र शासन को चला रही भाजपा अथवा कांग्रेस का साथ देने वाले हैं, यह तो वक्तर ही बताएगा, पर यह तो तय है कि क्षेत्रीय पार्टियों के भविष्य को यह पांचो राज्यों के आम चुनाव बहुत ज्यादा प्रभावित करने वाले हैं। इसके अलावा कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी की अहमियत को भी स्पष्ट करने वाले हैं। क्योंकि पश्चिम बंगाल तथा आसाम में केंद्रीय सत्ता के गृह मंत्री तथा प्रधानमंत्री की शाख भी दांव पर लगी हुई है। असम में बाहरी लोगों से वहां की जनता खासरी पेशान होकर एन, आर, सी कानून के लागू होने की प्रतीक्षा कर रही है, जबकि वहां भारतीय जनता पार्टी ही शासन कर रही है। पुदुचेरी में कई वर्षों से क्षेत्रीय पार्टियों का दबदबा था, पर अब वहां भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। यहां में एआईडीएमके के साथ भाजपा नेपथ्य में खड़ी है। तथा डीएमके के साथ कांग्रेस गठबंधन में चुनावी मैदान में है। तमिलनाडु में बोलचाल की भाषाई ताकत काम आएगी क्योंकि तमिल भाषा यहां की बोलचाल की भाषा है, और वहां के निवासी इस भाषा के



आज का इतिहास

15 अप्रैल की महत्वपूर्ण घटनाएँ

- 1994 भारत सहित 109 देशों द्वारा 'गैट' समझौते की स्वीकृति।
- 1998 थम्पी गुरु के नाम से प्रसिद्ध फ्रेडरिक लेंज का निधन।
- 1999 पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो तथा उनके पति आसिफ अली जरदारी को सरकारी ठेकों में दलाली खाने के आरोप में पांच वर्ष की कैद की सजा, पाकिस्तान ने परमाणु क्षमता वाले अपने दूसरे प्रक्षेपास्त्र शाहीन-1 का परीक्षण किया।
- 2000 आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग के आहवान के साथ जी -77 शिखर सम्मेलन हवाना में सम्पन्न।
- 2003 ब्रिटेन में आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने हथियार डाल देने का निर्णय लिया।
- 2004 राजीव गांधी हत्याकांड से जुड़े लिट्टे उग्रवादी वी. मुरलीधरन की कोलम्बो में हत्या की गयी।
- 2008 राज्यसभा के सभापति मोहम्मद हामिद अंसारी ने बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन नव निर्वाचित 55 सदस्यों में से 50 को शपथ दिलायी। भारतीय मूल के कनाडाई मंत्री दीपक ओबेरॉय को अफ़गानिस्तान पर गठित कनाडाई संसद की विशेष समिति का सदस्य चुना गया।
- 2010 भारत में निर्मित पहले क्रायोजेनिक रॉकेट जीएसएलवी-डी3 का प्रक्षेपण नाकाम हो गया।

डिजिटल सिस्टम से होगी सेहत की रखवाली

हैल्थ संवाददाता

हर इंसान चुस्त-दुरुस्त रहना चाहता है। नए साल के मौके पर हैल्थकेयर इंडस्ट्री आपके लिए खास चीजें लेकर आने वाली है।

जैसे-जैसे समय गुजरेगा आपको पता लगेगा कि अब सेहतमंद रहना आपकी मुट्टी में है। आप चाहें तो स्मार्टफोन की मदद से भी स्वस्थ रह सकते हैं। अब डॉक्टरों के पीछे भागने की जरूरत नहीं होगी। आपको किसी भी समय, कहीं भी बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं मिल जाएंगी।

घंटों वर्कआउट से पसीना बहाया और अपनी पसंदीदा खाने की चीजों से समझौता भी किया। हर उस डाइट को अपनाने की कोशिश की जो कुछ दिनों में काया पलटने के दावे करती थी। इन सबके बाद भी वजन कम न हो तो प्रश्न उठता है कि आखिर करें तो क्या? विशेषज्ञ कहते हैं कि यह एक दिन की दौड़ नहीं मैराथन है। अच्छे नतीजों के लिए लंबे समय तक तैयारी जारी रखनी होती है। वजन बढ़ना और तमाम प्रयास के बावजूद वजन कम न कर पाना कई बातों पर निर्भर करता है। तनाव, आनुवंशिक कारण, नींद पूरी न होना, थाइरॉइड या मेनोपॉज के दौरान होने वाले हार्मोनल बदलाव वजन बढ़ने का कारण हो सकते हैं। लेकिन यह भी संभव है कि जानकारी के अभाव में आप ऐसी गलतियां कर रहे हों, जो आपकी सभी कोशिशों पर भारी साबित हो रही हैं।

लक्ष्य हो व्यावहारिक

मुंबई स्थित न्यूट्रिशनल माधुरी रुइया के अनुसार, एक हफ्ते में 5 किलो या एक माह में 20 से 25 किलो वजन कम करने जैसे अव्यावहारिक लक्ष्य न बनाएं। धीमी गति से लंबे समय तक वजन कम करने के लिए खुद को तैयार करें। अपने वजन का एक प्रतिशत हर सप्ताह कम करें। अगर आप पुरुष हैं और कद 180 सेमी व वजन 95 कि.ग्रा. है, तो अपना आदर्श वजन निकालने के लिए कद में से 100 घटा दीजिए। इस मामले में यह 80 कि.ग्रा. होगा। अब अगर 15 किलोग्राम वजन कम करना है, तो एक हफ्ते में 950 ग्राम वजन कम करने का लक्ष्य बनाएं। अगले हफ्ते 900 ग्राम, उसके बाद 850 ग्राम। महिलाओं को कद में से 105 कि.ग्रा. घटाना चाहिए। पुरुषों की कमर 36 इंच व महिलाओं की 31.5 इंच से कम होनी चाहिए।

अपने शरीर को समझे

वेलनेस एक्सपर्ट डॉ. शिखा शर्मा अपनी पुस्तक आर यू फीटिंग योर हंगर और योर इमोशंस में लिखती हैं, जिन के कारण शरीर के मेटाबॉलिज्म, संरचना व भावनात्मक प्रतिक्रिया पर असर पड़ता है, पर यह भूमिका केवल 30% होती है। दृढ़ इच्छाशक्ति, सही डाइट व उचित व्यायाम का चुनाव करके वजन कम किया जा सकता है। शरीर के कुल वजन में मांसपेशी, वसा, हड्डी और पानी का वजन शामिल होता है। डॉ. माधुरी कहती हैं, जब सही तरीके से वजन कम करते हैं तो सबसे अधिक वसा कम होती है। मांसपेशियां मजबूत होती हैं। पर लंबे समय तक लो कैलोरी डाइट से मांसपेशियों का द्रव्यमान तो कम होता ही है, वसा का स्तर भी बढ़ता है। पर्याप्त पोषण के अभाव में कमजोरी व थकावट होती है। शरीर का आकार बिगड़ने लगता है। साथ ही वसा व शरीर के आपसी तालमेल में भी गड़बड़ी उत्पन्न होती है। टॉक्सिन पैदा करने वाली चीजें और अपचा भोजन शरीर में विषाक्त तत्वों को बढ़ाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार इससे ऊर्जा का प्रवाह पूरे शरीर में नहीं हो पाता। लिबर कमजोर होता है। बार-बार खाने की इच्छा होती है।

शरीर पर विकृत आहार का प्रभाव

यह एक अकाट्य तथ्य है कि भोजन स्वास्थ्य की आवश्यकता है, स्वाद की नहीं। आज हम भोजन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नहीं, जिह्वा के स्वाद के लिए करते हैं। शरीर का पोषण करने वाले तत्वों की अनदेखी कर स्वाद का रस प्रदान करने वाले फास्ट फूड एवं जंक फूड को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। भौतिकवादी वर्तमान युग में भोजन को केवल जायके एवं स्वाद की नजर से देखने का कारण डिब्बाबंद आहार एवं फास्ट फूड का रिवाज बढ़ गया है।

वैज्ञानिक मान्यता है कि फास्ट फूड आधारित आहार में विद्यमान कैलोरी और वसा हमारी एक दिन की ऊर्जा जरूरत पूरी करने में समर्थ तो है मगर इसकी आदत पड़ जाने से हम दिन में कई बार इसकी ओर



एप्स करेंगे सेहत की रखवाली

वर्ष 2015 में हम सबने देखा कि किस तरह से हैल्थ एप्स ने हमारी सेहत की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। साल 2016 में सेहत के लिए हैल्थ एप्स पर निर्भर रहने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा होगा। इन एप्स की मदद से कहीं भी और कभी भी सेहत संबंधी सलाह ली जा सकती है। ये एप्स आपातकालीन स्थिति में काफी मददगार साबित होते हैं। जहां साल 2013 में 16 फीसदी यूजर्स के फोन में कम से कम एक हैल्थ एप हुआ करता था वहीं वर्ष 2015 में यह आंकड़ा बढ़कर 32 फीसदी हो चुका है। कनेक्टेड डिवाइस फिटनेस ट्रेकर तक ही सीमित नहीं रहेंगे। आने वाले समय में ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोज ट्रेकर, कनेक्टेड पेसमेकर का ट्रेंड रहेगा। अपरिहार्य स्थिति को नियंत्रित करने के लिए ये एप्स सीधे विशेषज्ञों के साथ जानकारीयों शेयर कर सकेंगे जिससे मरीजों को काफी लाभ मिलेगा।

मेंटल हैल्थ पर रहेगा जोर

वर्ष 2016 में वास्तविक ब्रांड ड्रग्स के मुकाबले बायोसिमिलियर ड्रग्स का चलन बढ़ेगा जिससे दवा की कीमतों में भी कमी आएगी। हैल्थ के क्षेत्र में मेंटल हैल्थ पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाएगा। लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सेहत को सुधारने की दिशा में बड़े कदम उठाए जाएंगे। एक शोध के मुताबिक हर पांच में से एक अमरीकी वयस्क मानसिक रोग से ग्रस्त है। सालाना खर्चों रुपयों के मानसिक स्वास्थ्य के बिजनेस के और तेजी से बढ़ने का अनुमान है।

वजन कम न होने की वजह

शुरुआती उत्साह में लोग व्यायाम अधिक करते हैं और खाने कम हैं। नतीजा होता है कि शुरुआत के दो सप्ताह बाद ही शुरुआत पर कायम नहीं रह पाते। पर्याप्त डाइट के अभाव में मेटाबॉलिक रेट कम होने लगती है। शुरु में तो वजन कम होता है, पर धीरे-धीरे बढ़ने लगता है। डॉ. माधुरी कहती हैं, शुरुआत आसान व्यायाम से करें। कई तरह के व्यायाम करें, एरोबिक व्यायाम, स्ट्रेचिंग बढ़ाने वाले व्यायाम और क्रॉस ट्रेनिंग। कार्डियो और वेट ट्रेनिंग दोनों में संतुलन बनाएं। कम से कम सप्ताह में तीन बार वेट ट्रेनिंग करें और नियमित 20 मिनट कार्डियो व्यायाम करें।

वसा और कार्बोहाइड्रेट से परहेज

कार्बोहाइड्रेट वे पोषक तत्व हैं जो ऊर्जा में सबसे बेहतर तरीके से परिवर्तित होते हैं। ऐसे में आहार से कार्बोहाइड्रेट को बहुत कम करना यानी कार्बोहाइड्रेट को बिना ईंधन के चलाना। पूरी तरह कार्बोहाइड्रेट बंद करने की जगह रिफाईंड कार्बोहाइड्रेट जैसे ब्रेड, क्रैकर्स, सफेद चावल, बिस्कुट व मैदा से बनी चीजों को कम करें। घर का बना संतुलित आहार खाएं। भोजन से पूरी तरह वसा यानी चिकनाईयुक्त पदार्थ हटाने से बार-बार खाने की इच्छा बढ़ जाती है। शरीर पोषक तत्वों को ढंग से ग्रहण नहीं करता। वसा में घुलनशील विटामिन ए, डी व कैल्शियम शरीर को नहीं मिल पाते। इसी तरह पूरी तरह ग्लूटन फ्री डाइट यानी गेंहू, जौ व साबुत अनाज न खाना शरीर में फोलेट व फाइबर तत्वों की कमी करता है।

भोजन न करना

यह सही है कि दोपहर में भोजन न करने सीधे रात में भोजन करना आपकी कैलोरी की मात्रा को घटा सकता है। पर भूख और तृप्ति का एहसास कराने वाले ग्लिन और लैप्टिन हार्मोन तभी ढंग से काम करते हैं जब हम हर चार घंटे बाद कुछ न कुछ खाते हैं। खान-पान और व्यायाम से जुड़े अधिक प्रतिबंध भूख लगने की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। दिसंबर 2015 में हुए एक शोध में चूहों के खाने में लंबे अंतराल रखने पर उनमें तृप्ति का एहसास कराने वाले ग्लिन हार्मोन के स्तर में कमी देखने को मिली। जिससे उन्होंने बाद में पहले से अधिक खाया। इससे शरीर की हानिकारक वसा को लाभदायक वसा में बदलने की क्षमता भी कम होती है।

गलत डाइट का चुनाव

हर शरीर की डाइट संबंधी जरूरत अलग होती है। बिना जाने कोई भी डाइट अपनाने से डाइट या तो जेब पर भारी पड़ती है या फिर शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता। लंबे समय तक सूप व सलाद पर आधारित क्रेश डाइट अपनाने से शुरुआत में वजन कम होता है, पर ये स्थायी नहीं रह पाता। डाइट में से पूरी तरह प्रोटीन यानी अंडा, दूध, पनीर और मुर्गी उत्पादों को हटाने से कमजोरी महसूस होती है, मांसपेशियों में अनियमितता आती है, बाल व नाखून टूटते हैं, असमय बुढ़ापा नजर आने लगता है। पोषण व जेब दोनों के अनुकूल डाइट ही स्थायी रह पाती है। हफ्ते में एक दिन कुछ मनपसंद भी खाएं।

त्वचा को झुलसाने में सक्षम है। इसकी दो ग्राम मात्रा कुत्ते या बंदर को दी जाए तो वह तुरन्त मर जायेगा।

मैग्नीशियम क्लोराइड तथा कैल्शियम साइट्रेट से आंतों में घाव हो जाते हैं। इनके कारण मसूड़ों में सूजन आ जाती है तथा किडनी क्षतिग्रस्त हो सकती है। सल्फर डाइआक्साइड से उदर-विकार उत्पन्न होते हैं। एरोथ्रोसीन भोजन की नली से लेकर समूचे पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। यही नहीं, डिब्बाबंद आहार के इस्तेमाल से ई. कोलाई, सालमोनेला, सुजैला क्लेकसुला जैसे जीवाणुओं एवं विषाणुओं का संक्रमण हो जाता है। इससे निमोनिया, बेहोशी, तेज बुखार, मस्तिष्क ज्वर, दृष्टिदोष, सयु विकार, हृदयाघात आदि बीमारियां पनपने लगती हैं। स्वास्थ्य संबंधी इन गंभीर परिणामों को जानते हुए भी फास्ट फूड एवं जंक फूड का बढ़ता रिवाज किसी सामूहिक विनाश को आमंत्रण प्रदान करने के समान है।

उफ! क्या करें... वजन ना हुआ कम

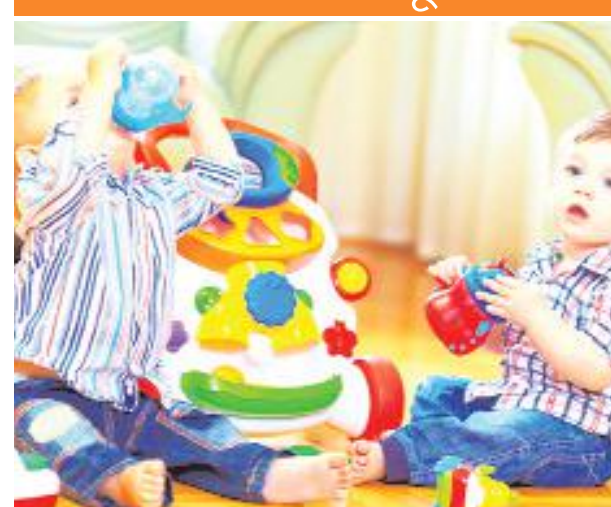
सेहत भी जरूरी

इस बात में कोई तूक नहीं कि आप वजन कम करने के लिए सेहत और शरीर के लिए जरूरी ऊर्जा से समझौता करें। सही तरीके से वजन कम करें। वजन कम करने में बढ़िया डाइट और व्यायाम का तालमेल बेहद जरूरी है। सभी समूह का भोजन करें यानी ज्वार बाजार आदि साबुत अनाज लें, तो ब्राउन राइस, पनीर, दूध आदि भी लें। कम स्टाच वाली सब्जियां काली मिर्च, गोभी, ब्रोकली व मशरूम भी खाएं, तो कुछ मात्रा में वसा उत्पाद भी। वजन कम करने की प्रक्रिया आसान लगेगी। ऊर्जा का स्तर बना रहेगा।



बच्चे के गले में जब फंस जाए सिक्का

तब आजमाएं ये अचूक उपाय



गले में सिक्का अटकने पर

कई बार छोटे बच्चे सिक्का या कोई अन्य चीज निगल लेते हैं, जिससे वह गले में फंस जाती है। ऐसा होने पर बच्चे को खड़ा करके मुंह में रुमाल फंसाते हुए सिर के पीछे की तरफ बांध दें। इससे वह लंबी सांस नहीं लेगा। लंबी सांस लेने से सिक्का अंदर जाकर आंतों में फंस सकता है। फिर आगे की ओर झुकाकर एक हाथ नाभि पर रखें व दूसरे हाथ से थपथपाएं। फंसी चीज बाहर आ जाएगी। नकसीर, चक्कर व लो-हाई बीपी जैसी आम परेशानियां हैं। अगर अचानक कहीं किसी का बीपी लो हो जाए, तो फर्स्ट एड के रूप में इन तरीकों को अपनाकर स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता है...

चक्कर आने की स्थिति में

दो चम्मच चीनी व चौथाई चम्मच नमक का घोल बनाकर दें व नाक और मुंह के बीच वाले स्थान को दबाएं। ध्यान रहे चीनी व नमक के घोल वाला उपाय सामान्य लोग ही करें। हाई बीपी व डायबिटीज के मरीज न करें। वे फर्स्ट एड के तौर पर नाक व मुंह के बीच वाले स्थान को दबाने वाला तरीका आजमा सकते हैं।

लो-ब्लाडप्रेशर

हथेली-तलवे टंडे होकर उनमें पसीना आना इसके लक्षण हैं। ऐसा होने पर दोनों हथेलियों व तलवों को 5-10 मिनट तक रगड़ें।

हाई ब्लाडप्रेशर

सांस में तकलीफ, घबराहट व पसीना आना इसके लक्षण हैं। ऐसा होने पर आज्ञाचक्र (माथे पर बंदी लगाए जाने वाला स्थान) को एक से डेढ़ मिनट तक दबाएं। इसके अलावा दोनों हाथों की सबसे छोटी अंगुली के नाखून दबाएं।

सीने में तेज दर्द या जलन

एसे में हाथ की कलाई को एक रुमाल से कसकर बांधें व देर किए बगैर अस्पताल ले जाएं। इससे क्लॉटिंग की आशंका कम होगी।

नकसीर फूटने पर

व्यक्ति को जमीन पर सीधा लेटाएं व पैरों को एक से डेढ़ फीट की ऊंचाई पर किसी मेज आदि पर रखें। उसके बाद सिर पर ठंडी पट्टी या आइसबैग रखें व गीली मिट्टी सुंघाएं।

स्वर्ण संक्षेप
घरेलू हवाई यात्री यातायात 15.4 करोड़ तक पहुंचेगा



नई दिल्ली। घरेलू हवाई यात्री यातायात वित्त वर्ष 2023-24 में 13 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ लगभग 15.4 करोड़ तक पहुंच सकता है। विमानन उद्योग को एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि इस दौरान घरेलू एयरलाइंस का शुद्ध घाटा कम होकर 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये के बीच रहने की संभावना है।

पूँजीकरण में सबसे अधिक लाभ में भारतीय एयरटेल रही



नई दिल्ली। सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह 59,404.85 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। सबसे अधिक लाभ भारतीय एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह रिपोर्ट तोड़ तेजी के बाद सेंसेक्स में 3.32 अंक की मामूली गिरावट आई।

बीते सप्ताह अधिकांश तेल तिलहन कीमतों में गिरावट



नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में सोयाबीन डीगम का दाम टूटने के बीच आयातित खाद्य तेलों की कीमतें प्रभावित होने के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली। बाजार में आवक घटने के बीच बिनाला तेल के दाम तेजी दशाते बंद हुए।

जनवरी-मार्च में सस्ते घरों की हिस्सेदारी घटी



नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में कुल घरों की बिक्री में 45 लाख रुपये से कम कीमत वाले सस्ते आवास की हिस्सेदारी घटकर 22 प्रतिशत रह गई है। आवास ब्रोकरेज कंपनी प्रापटाइगर.कॉम के अनुसार, 2023 की पहली तिमाही में कुल घरों की बिक्री में सस्ते घरों का हिस्सा 48 प्रतिशत रहा था।

इम्प्रोसाटियो का टियर-2 शहरों में विस्तार पर जोर



नई दिल्ली। रेस्तार श्रृंखला 'सोशल' का संचालन करने वाली कंपनी इम्प्रोसाटियो पेट्टेरेन्मेंट एंड हॉस्पिटैलिटी अपनी विस्तार योजना के तहत सालाना 10 से 15 नए ब्रांड आउटलेट खोलने पर विचार कर रही है। कंपनी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक रियाज अमलानी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान दूसरी श्रेणी के शहरों में विस्तार पर खास जोर होगा।

इंफिनिक्स ने मल्टी मोड फास्ट चार्जिंग स्मार्टफोन किए लांच



नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली इंफिनिक्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनोश कपूर ने कहा कि प्रौद्योगिकी की उपयोगकर्ताओं के अनुरूप होना चाहिए। कपूर नयी दिल्ली में कंपनी के नवीनतम स्मार्टफोन 'नोट40 प्रो 5जी' और 'नोट40 प्रो प्लेस 5जी' पेश किये जाने के मौके पर यह बात कही। कपूर ने कहा, 'हमारा मानना है कि प्रौद्योगिकी को उपयोगकर्ताओं के अनुकूल होना चाहिए और यह नए स्मार्टफोन भविष्य की चार्जिंग तकनीक के अगुवा है।'

किसान के बेटे पामीरेड्डी का डायमंड जैसा घर, रखी मेघा इंजीनियरिंग की नींव

एजेंसी ►► नई दिल्ली। मेजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड इन दिनों बहुत चर्चा में है। इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वालों की लिस्ट सामने आने के बाद मेघा इंजीनियरिंग देशव्यापी चर्चा का विषय बन गई थी। कंपनी ने 966 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे थे। प्युचर गेमिंग के बाद यह बॉन्ड खरीदने वाली दूसरी सबसे बड़ी कंपनी थी। मेघा इंजीनियरिंग के खिलाफ सीबीआई ने घूसखोरी का केस दर्ज किया और यह एक बार फिर से सुर्खियों में आ गई। मालिक पामीरेड्डी पिचि रेड्डी ने 67,500 करोड़ का साम्राज्य खड़ा किया और आज डायमंड जैसा घर में रहते हैं। पीपी रेड्डी का जन्म आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में एक किसान के घर में हुआ था। वह अपने माता-पिता की 5वीं संतान हैं।

कंपनी 966 करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे के मामले से आई चर्चा में

20 राज्यों और कई देशों में कर रही काम

पीपी रेड्डी के अतीत पीवी कृष्णा रेड्डी ने भी मेघा इंजीनियरिंग ज्वाइंन कर ली थी। इसके बाद दोनों ने मिलकर कंपनी को सड़क निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट लेने वाली कंपनी में तब्दील कर दिया। साल 2006 में कंपनी का नाम बदलकर मेघा इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कर दिया गया। इस सेक्टर में तगड़े कम्पटीशन के बावजूद मेघा इंजीनियरिंग बड़े प्रोजेक्ट्स हासिल करने में कामयाब रही। धीरे-धीरे कंपनी 20 राज्यों और बांग्लादेश और कुवैत में भी हाइवे और पावर प्लांट का काम ले लगी।



डायमंड की तरह बनवा रखा है घर

रेड्डी ने मात्र 5 लाख रुपये में हैदराबाद के बालानगर में एक छोटी से जगह से नगर पालिका के लिए प्लाट खाने के लिए मेघा इंजीनियरिंग की शुरुआत की थी। अब इसी हैदराबाद में उनका घर डायमंड के आकार का बना हुआ है। उनके पास अपने फार्म हाउस में एक गोल्फ कोर्स भी है। आज उनकी कंपनी की वैल्यू 67,500 करोड़ और फोर्ब्स द्वारा उनकी खुद की संपत्ति 19,230 करोड़ रुपये आंकी गई थी।

जोडिला टनल जैसे बड़े प्रोजेक्ट भी बनाए

मेघा इंजीनियरिंग ने ही देश की मशहूर जोडिला टनल को बनाने का काम किया था। इसके अलावा तेलंगाना का कालेवरम लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट और मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के बांद्रा कुर्ली कॉम्प्लेक्स स्टेशन का निर्माण भी कंपनी कर रही है। सीबीआई के अनुसार, मेघा इंजीनियरिंग ने बिल विलयर कराने के लिए विभिन्न सरकारी कंपनियों के अधिकारियों को घूस दी थी। ये बिल जनरलपूर इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट से जुड़े काम के थे। इस केस में एनआईएफ और एनएफडीसी के 8 अधिकारी एवं मेकों के 2 अधिकारी भी शामिल हैं।

बीओबी वर्ल्ड ऐप घोटाले व अन्य वित्तीय धोखाधड़ी पर लगे रोक धोखाधड़ी रोकने के लिए दुकानदारों, बैंकिंग प्रतिनिधियों की अधिक जांच-परख चाहता है वित्त मंत्रालय

एजेंसी ►► नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय चाहता है कि बीओबी वर्ल्ड ऐप घोटाले और इसी तरह के अन्य वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों पर रोक लगाने के लिए बैंक तथा वित्तीय संस्थान 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) प्रक्रिया और जांच-परख को बढ़ाने के लिए काम करें। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में बैंकिंग सेवाएं देने वाले दुकानदारों (मचेंट) तथा बैंकिंग प्रतिनिधि को जोड़ने से पहले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को इनकी गहन जांच-परख करनी चाहिए। सूत्रों ने कहा कि इस तरह के कदम से न केवल धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा बल्कि वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूत किया जा सकेगा।

बैंक व वित्तीय संस्था केवाईसी की प्रक्रिया व जांच और बढ़ाए

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में गहन जांच परख की जाए

बैंकिंग प्रतिनिधि के स्तर पर डेटा की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत

आरबीआई डिजिटल पर विचार कर रहा
बढ़ती साइबर धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के अपने प्रयासों के तहत रिजर्व बैंक अर्थ ज्ञान देने वाले ऐप को बदती संस्था को रोकने के लिए एक डिजिटल इंडिया ट्रस्ट एजेंसी (डिजिटल) स्थापित करने पर विचार कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित एजेंसी डिजिटल ऋण देने वाले ऐप के स्थापन में मदद करेगी और स्थापित ऐप का एक सार्वजनिक रजिस्टर बना।

साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना
साइबर अपराध से व्यापक और समन्वित तरीके से निपटने के तंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय के माध्यम से देश में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की स्थापना की है।

धोखाधड़ी को रोकने एटीएम ब्लॉक किया जाए
इसके अलावा धोखाधड़ी में इस्तेमाल सूक्ष्म एटीएम को भी ब्लॉक किया जाना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि साइबर सुरक्षा को बढ़ाने और वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने को लेकर हाल में एक अंतर-मंत्रालयी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में यह सुझाव दिया गया।

वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के 1128265 मामले सामने आए
राष्ट्रीय अपराध रिपोर्टिंग ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 के दौरान वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के 11,28,265 मामले सामने आए। इन मामलों में कुल 7,488.63 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई।

एलआईसी को अदाणी के शेयरों में निवेश पर हुआ 59 फीसदी का लाभ

एजेंसी ►► नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में अदाणी समूह की कंपनियों में किए गए अपने निवेश मूल्य में 59 प्रतिशत का लाभ दर्ज किया है। अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से समूह के शेयरों के प्रभावित होने के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, अदाणी समूह की सात कंपनियों में एलआईसी का कुल निवेश 31 मार्च, 2023 को 38,471 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 मार्च, 2024 को 61,210 करोड़ रुपये हो गया। इसमें 22,378 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले साल, हिंडनबर्ग रिपोर्ट में अदाणी के शेयरों में हेराफेरी के आरोपों के बाद बीमा कंपनी को भी समूह में निवेश करने के अपने फैसले पर सवाल का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अदाणी ने रिपोर्ट को पूरी तरह गलत बताया था।

अदाणी ग्रैन में निवेश दोगुना हुआ
अदाणी एंटरप्राइज लिमिटेड ने एलआईसी का निवेश 31 मार्च, 2023 को 8,495.31 करोड़ रुपये से बढ़कर एक साल बाद 14,305.53 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान अदाणी पोर्टल एंड एक्सचेंज में निवेश 12,450.09 करोड़ रुपये से बढ़कर 22,776.89 करोड़ रुपये हो गया। अदाणी ग्रैन एनर्जी लिमिटेड में एलआईसी का निवेश एक साल में दोगुना से अधिक होकर 3,937.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

वाणिज्यिक एसी बाजार में वृद्धि की पर्याप्त संभावनाएं

एजेंसी ►► नई दिल्ली। वाणिज्यिक एयर कंडीशनिंग (एसी) बाजार में वृद्धि की पर्याप्त संभावनाएं हैं और तेजी से बढ़ते शहरीकरण, ढांचागत विकास और आर्थिक वृद्धि के कारण इसे समर्थन मिल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण विनिर्माताओं के संगठन सीईएएमए के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने यह बात कही। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण विनिर्माता संघ (सीईएएमए) के अध्यक्ष ने कहा कि वाणिज्यिक 'सी' (गर्मी पैदा करने वाले उपकरण, वायु संचार उपकरण और वातानुकूलन उपकरण) खंड में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। कार्यालयों, खुदरा स्थानों, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं, आतिथ्य प्रतिष्ठानों और शैक्षिक संस्थानों सहित बुनियादी ढांचे के विकास से इसे बढ़त मिल रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, घर के अंदर हवा की गुणवत्ता को लेकर बढ़ती जागरूकता, और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) और भवन स्वचालित प्रणाली जैसे कारक भी वाणिज्यिक परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। वाचानी ने कहा कि वृद्धि की संभावनाओं के लिहाज से वाणिज्यिक 'सी' खंड में महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, भारत में वाणिज्यिक 'सी' खंड का बाजार आकार लगभग 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

विदेशी मुद्रा भंडार में 2.98 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 2.98 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 648.56 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक उच्चस्तर पर जा पहुंचा। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.95 अरब डॉलर बढ़कर 645.58 अरब डॉलर हो गया था जो उस समय तक का सर्वकालिक उच्च स्तर था। इससे पहले, सितंबर 2021 में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642.45 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 54.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 571.17 अरब डॉलर हो गईं।

वैश्विक शेयर बाजारों में देखने मिल सकती है घबराघटपूर्ण बिकवाली

एजेंसी ►► नई दिल्ली। भू-राजनीतिक घटनाक्रम, वृहद आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के तिमाही नतीजे इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का होगा। बुधवार को 'रामनवमी' पर बाजार में अवकाश रहेगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमंट लि. के शोध प्रमुख अलावा बाजार की निगाह कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी, जो भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से प्रभावित होती है।

क्यूसीओ के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

कमरे को ठंडा करने वाले एयर कंडीशनर खंड के बारे में पूछने पर वाचानी ने कहा कि उन्हें इस खंड में लगातार वृद्धि की उम्मीद है। हालांकि, सरकार के गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के कारण इस खंड को मामूली चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

गोदरेज लॉक्स की नगर 50 फीसदी बाजार हिस्सेदारी पर...

मुंबई। ताले और सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी गोदरेज लॉक्स (ताले समेत) का लक्ष्य तीन साल में बाजार हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का है। कंपनी ने कहा है कि इसके लिए वह सस्ते उत्पाद की नई श्रृंखला लाएगी और मौजूदा उत्पादों की कीमतों में कटौती करेगी। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सिस्टम्स के कारोबार प्रमुख श्याम मोटवानी ने कहा कि कंपनी के नए उत्पाद मौजूदा तालों की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा सस्ते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा तालों को भी सात-आठ प्रतिशत तक सस्ता बनाने का प्रयास किया गया है। मोटवानी ने कहा कि कंपनी लगभग तीन साल में बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए मौजूदा तालों के दाम घटाएगी और कम कीमत वाले नए उत्पाद पेश करेगी। मोटवानी ने कहा कि हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने का है।

विशेषज्ञों के अनुसार मांग में 40 प्रतिशत का उछाल चुनाव के बीच चार्टर्ड विमान, हेलिकॉप्टर की मांग बढ़ी

एजेंसी ►► नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के लिए राजनेता और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि देशभर में भ्रमण कर रहे हैं, जिससे चार्टर्ड विमान और हेलिकॉप्टर की मांग 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे निजी विमान और हेलिकॉप्टर संचालकों को 15-20 प्रतिशत अधिक कमाई होने की उम्मीद है। चार्टर्ड सेवाओं के लिए प्रति घंटा दर भी बढ़ गई है। एक विमान के लिए शुल्क लगभग 4.5 - 5.25 लाख रुपये और दो इंजन वाले हेलिकॉप्टर के लिए लगभग 1.5- 1.7 लाख रुपये है। जहां सामान्य समय

बड़े राज्यों में हेलिकाप्टर का उपयोग अधिक आमतौर पर, राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों और नेताओं को कम समय में विभिन्न स्थानों, खासकर दूरदराज के इलाकों में पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर का उपयोग करते हैं। गैली ने कहा कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में हेलिकॉप्टरों का उपयोग अधिक देखा जा रहा है।

और पिछले चुनावों वर्षों की तुलना में मांग बढ़ी है, फिक्स्टेड विंग विमान और हेलिकॉप्टर की उपलब्धता भी कम संख्या में है।

मांग की तुलना में आपूर्ति कम
कुछ परिवालक दूरसे कंपनी से विमान और हेलिकॉप्टर चालक दल के साथ लेना चाह रहे हैं। रोटेरी विंग सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष 'हेलिकॉप्टर की मांग बढ़ी है और यह सामान्य अवधि की तुलना में वृद्धि के साथ 25 प्रतिशत तक अधिक है। मांग की तुलना में आपूर्ति कम है।' दो इंजन के हेलिकॉप्टर में 12 लोगों के बैठने की क्षमता : चुनाव के समय, एक इंजन हेलिकॉप्टर के लिए दर 1.5 लाख रुपये तक और दो इंजन हेलिकॉप्टर के लिए 3.5 लाख रुपये तक होती है। जबकि दो इंजन वाले हेलिकॉप्टर में 12 लोगों के बैठने की क्षमता होती है।

बीते वित्त वर्ष में देश से वाहनों का निर्यात 5.5 प्रतिशत घटा

एजेंसी ►► नई दिल्ली। देश से वाहनों का निर्यात बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 5.5 प्रतिशत घट गया है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सॉसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सियाम) का कहना है कि कई विदेशी बाजारों में मौद्रिक संकट की वजह से देश से वाहनों के निर्यात में गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार, बीते वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 45,00,492 इकाई रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में यह 47,61,299 इकाई था। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले में बहुत मजबूत हैं, विदेशी विनिर्माता से संबंधित मुद्दों का सामना कर रहे हैं।' पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों, दोपहिया और तिपहिया अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न विदेशी बाजारों में परिस्थितियां अस्थिर बनी हुई हैं। अग्रवाल ने कहा, 'कुछ देश, जहां हम वाणिज्यिक वाहन और वाहन दोपहिया निर्यात के मामले

भाजपा का ये संकल्प पत्र 76 पन्नों का है, 15 लाख सुझाव भी आए

एजेसी नई दिल्ली भाजपा ने 2024 लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा-पत्र संकल्प पत्र के नाम से जारी किया है। पार्टी का ये संकल्प पत्र 76 पन्नों का है, जिसमें कई वादे किए गए हैं। घोषणा-पत्र जारी करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि घोषणा-पत्र समिति को करीब 15 लाख सुझाव मिले हैं। इसमें ऑनलाइन माध्यम नमो एप से करीब 10 लाख और वीडियो से 10 लाख सुझाव मिले हैं। भाजपा ने कहा कि पिछली सरकारों की अपेक्षा, हमने नागरिकों को पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रदान किया है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को मोदी की गारंटी टैलाइन के साथ जारी किया है। इस घोषणापत्र को जारी करते

पीएम मोदी ने कहा- मैंने कहा था यही समय है, सही समय है, इसमें समाहित निर्णय और कार्य भविष्य को 1000 साल तक प्रभावित करेंगे



पहला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर उन्नत कर रहे रेल यात्राएं होंगी आरामदेह
संकल्प पत्र में कहा गया कि हम पहला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर उन्नत कर रहे हैं। हम इस बुलेट ट्रेन नेटवर्क का विस्तार करने के लिए उत्तर, दक्षिण व पूर्व में नए कॉरिडोर के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करेंगे। मोदी सरकार ने 1300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को विश्व स्तरीय मानकों पुनर्निर्माण कर रही है। हमने विश्व स्तरीय वंदे भारत, अमृत भारत और नमो ट्रेनों का विकास और निर्माण किया है। वंदे स्लीपर ट्रेन के जरिए देश के लोग लंबी दूरी की यात्रा आराम से कर सकेंगे। इसके अलावा देश के प्रमुख शहरों में मेट्रो का बढावा जाएगा। 10 सालों में 20 से अधिक शहरों में मेट्रो की शुरुआत की गई।

भाजपा नेताओं ने कहा 10 साल के विकास का हिसाब
भाजपा के घोषणापत्र पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। दुनिया भर में टैशन का माहौल है, सुरक्षा की गारंटी हमारी सरकार ने दी, देश से बाहर जाने पर गारंटी का फ्री बीमा मिलता है।

रक्षामंत्री राजनाथ ने कहा मोदी की गारंटी 24 कैरेट सोना
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा ने अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने लोगों के बीच विश्वस्तनीयता हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी 24 कैरेट सोने की तरह शुद्ध दिखती है।

संकल्प पत्र पर कांग्रेस का तंज
2014 में जो कहा, हिसाब नहीं दिया कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित विपक्षी दलों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसा कुछ नहीं किया है जिससे देश के लोगों को फायदा हो। युवा नौकरों के लिए तरह- तरह के और महंगाई बढ़ गई है।

पवन खेड़ा बोले उन्हें गोलपोस्ट बदलने की बीमारी
पवन खेड़ा ने कहा कि पिछली सरकारों ने से किसी को भी भाजपा की तरह गोलपोस्ट बदलने की बीमारी का सामना नहीं करना पड़ा है। आपने 2014 में जो कहा, 2019 में उसका कोई हिसाब नहीं दिया।

लालू यादव परिवार पर गृहमंत्री राजनाथ का हमला

एजेसी जमुई आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मछली खाने के विवाद पर सुनाई खरी-खरी राजनाथ सिंह ने बिहार के जमुई में जनसभा को संबोधित करते हुए नवरात्र में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मछली खाने के विवाद पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नवरात्र में मछली खाकर क्या संदेश देना चाहते हैं? यदि कुछ खाते हैं, तो फिर दिखाने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ये 'राजनीति' शब्द अपना अर्थ भी खो बैठा है और अपना भाव भी खो बैठा है। आरजेडी कहती है कि हम बड़े पिछड़ों के पक्षधर हैं? सच्चाई ये है कि ये पिछड़ों के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के लोग क्या बोल रहे हैं? सरकार बनते ही पीएम मोदी को जेल में डाल देंगे? जो लोग खुद ही जेल में हों, कोई बेल पर हों वो मोदी जी को जेल भेजेंगे?

राजनीति सरकार बनाने के लिए नहीं, देश चलाने के लिए हो

एजेसी नई दिल्ली आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मछली खाने के विवाद पर सुनाई खरी-खरी राजनाथ सिंह ने बिहार के जमुई में जनसभा को संबोधित करते हुए नवरात्र में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के मछली खाने के विवाद पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नवरात्र में मछली खाकर क्या संदेश देना चाहते हैं? यदि कुछ खाते हैं, तो फिर दिखाने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि ये 'राजनीति' शब्द अपना अर्थ भी खो बैठा है और अपना भाव भी खो बैठा है। आरजेडी कहती है कि हम बड़े पिछड़ों के पक्षधर हैं? सच्चाई ये है कि ये पिछड़ों के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के लोग क्या बोल रहे हैं? सरकार बनते ही पीएम मोदी को जेल में डाल देंगे? जो लोग खुद ही जेल में हों, कोई बेल पर हों वो मोदी जी को जेल भेजेंगे?

भारत का मस्तक देश में रुंचा रहेगा
उन्होंने कहा कि नवरात्र का पर्व चल रहा है। भारत में नवरात्र के आगान को अब दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती है। राम राज उस राज्य को कहते हैं, जिसमें हर व्यक्ति को दायित्व और कर्तव्य बोध हो। अधिकार बोध नहीं है। हर नागरिक में भाव पैदा हो कि भारत का मस्तक देश में रुंचा रहेगा। हम तीन तलाक प्रथा को समाप्त करेंगे। हमने जिंदगी में कभी जात, पंथ और धर्म की राजनीति नहीं की है। जिंदगी भर मानवता की राजनीति की है। किसी भी धर्म की माता और बहन के साथ जुलूम होगा, चाहे कोई भले ही उन्हें माफ कर भाजपा बीजेपी उसे माफ नहीं करेगी। राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि देश चलाने के लिए होनी चाहिए।

प्रियंका गांधी ने साया पीएम पर निशाना
प्रधानमंत्री जनता के मुद्दों से भटक गए हैं जयपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी देश की जनता और उनके मुद्दों से कट भटक गये हैं। प्रियंका ने जालोर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल चुनाव के समय एक अजीब सा माहौल बन गया है। आपके ध्यान को भटकाने वाली सारी बातें हो रही हैं। बड़े-बड़े प्रचार हो रहे हैं, अजीब सी बहकी-बहकी सी बातें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पीएम कभी अपनी झूठी चौराहा दिखाते हैं तो कभी शेखी बघारते हैं। मांस-मछली की बात करते हैं। कभी हवा में उड़ते हैं तो कभी समुद्र के नीचे जाते हैं। इन बातों से आपके जीवन का क्या मतलब है?

खबर संक्षेप

दर्दनाक हादसे ने छीन ली 4 युवकों की जिंदगी
प्रयागराज। बालीघाट-धर्मघर मोटर मार्ग पर चिड़ंग के पास रविवार सुबह हुए कार हादसे में मारे गए युवक गांव में पूजा के लिए बागेश्वर से सरयू का जल लेने आ रहे थे। गांव में नवरात्र के अवसर पर पूजा का आयोजन किया गया था। पूजा के लिए गंगाजल लेने के लिए यह युवक रविवार तड़के बागेश्वर आ रहे थे। चिड़ंग गडैरी के पास कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

बस-टुक में मिडंत, गाड़ी पलटी, 22 बच्चे घायल
देहरादून। खटीमा चटिया फार्म में मुख्यमंत्री के सभास्थल के लिए जा रही एक बस विराबाग चौराहे के पास टुक की टक्कर से अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में बस में सवार करीब 22 बच्चे घायल हो गए। घायलों को खटीमा उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलते ही सीएम पुष्कर सिंह भी घायल बच्चों का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे।

नकापुर राजघराने में कुंवर विक्रम की मौत
गोंडा। जिले के मनकापुर राजघराने में युवराज की असामयिक मौत की खबर है। कुंवर विक्रम सिंह का शनिवार रात हार्टअटैक से निधन हो गया। कुंवर विक्रम की असामयिक मौत की सूचना पर लोग स्तब्ध रह गए। वे सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के चचेरे भाई थे। पूरा मंगल भवन परिसर शोक में डूब गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए समर्थकों सहित अन्य लोगों की भीड़ जुट गई।

संजय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा घोटाले के किंगपिन को बेल मिल गई, शरद रेड्डी मुख्य घोटालेबाज

एजेसी नई दिल्ली आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि घोटाले के किंगपिन को बेल मिल गई। खुद रेड्डी ने शरद रेड्डी को मुख्य घोटालेबाज कहा था। जैसे ही शरद रेड्डी ने केजरीवाल का नाम लिया, वैसे ही उसे बेल मिली। संजय ने कहा कि फर्जी तरीके से प्रेशर बनाकर दिल्ली के सीएम के खिलाफ गवाह तैयार किए गए। 456 गवाहों में से मात्र 4 गवाहों ने केजरीवाल के नाम का जिक्र किया। ये उन्होंने किन हालात में किया, ये

नकापुर राजघराने में कुंवर विक्रम की मौत
गोंडा। जिले के मनकापुर राजघराने में युवराज की असामयिक मौत की खबर है। कुंवर विक्रम सिंह का शनिवार रात हार्टअटैक से निधन हो गया। कुंवर विक्रम की असामयिक मौत की सूचना पर लोग स्तब्ध रह गए। वे सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के चचेरे भाई थे। पूरा मंगल भवन परिसर शोक में डूब गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए समर्थकों सहित अन्य लोगों की भीड़ जुट गई।

नकापुर राजघराने में कुंवर विक्रम की मौत
गोंडा। जिले के मनकापुर राजघराने में युवराज की असामयिक मौत की खबर है। कुंवर विक्रम सिंह का शनिवार रात हार्टअटैक से निधन हो गया। कुंवर विक्रम की असामयिक मौत की सूचना पर लोग स्तब्ध रह गए। वे सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के चचेरे भाई थे। पूरा मंगल भवन परिसर शोक में डूब गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए समर्थकों सहित अन्य लोगों की भीड़ जुट गई।

नकापुर राजघराने में कुंवर विक्रम की मौत
गोंडा। जिले के मनकापुर राजघराने में युवराज की असामयिक मौत की खबर है। कुंवर विक्रम सिंह का शनिवार रात हार्टअटैक से निधन हो गया। कुंवर विक्रम की असामयिक मौत की सूचना पर लोग स्तब्ध रह गए। वे सांसद कीर्तिवर्धन सिंह के चचेरे भाई थे। पूरा मंगल भवन परिसर शोक में डूब गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए समर्थकों सहित अन्य लोगों की भीड़ जुट गई।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने संदेशवाली मामले पर सौपी रिपोर्ट

टीएमसी कार्यालय में ही महिलाओं के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया

एजेसी कोलकाता नई दिल्ली इसके बाद पीड़ितों को आरोपियों के साथ समझौता करने के लिए दबाव भी डाला गया 55 दिन तक फटार रस आरोपी, हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान शाहजहां पहली बार जनवरी की शुरुआत में तब सुविधियों ने आया जब उसके आवास पर तलाशी लेने गई ईडी की टीम पर उसके समर्थकों ने हमला कर दिया। उस दौरान वह मांग गया और एक महिला के संदेशवाली में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसमें महिला निवासियों ने आरोप लगाया कि शाहजहां के सहयोगियों वर्षों से उनका यौन उत्पीड़न कर रहे थे। महिलाओं ने कहा कि उसका प्रभाव कम हो गया है, इसलिए उन्हें बोलने में आत्मविश्वास महसूस हुआ। 55 दिन तक आगने के बाद शाहजहां को 29 फरवरी को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर शिकारियों की जांच सीबीआई को सौंप दी गई।

इसके बाद पीड़ितों को आरोपियों के साथ समझौता करने के लिए दबाव भी डाला गया
55 दिन तक फटार रस आरोपी, हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान शाहजहां पहली बार जनवरी की शुरुआत में तब सुविधियों ने आया जब उसके आवास पर तलाशी लेने गई ईडी की टीम पर उसके समर्थकों ने हमला कर दिया। उस दौरान वह मांग गया और एक महिला के संदेशवाली में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसमें महिला निवासियों ने आरोप लगाया कि शाहजहां के सहयोगियों वर्षों से उनका यौन उत्पीड़न कर रहे थे। महिलाओं ने कहा कि उसका प्रभाव कम हो गया है, इसलिए उन्हें बोलने में आत्मविश्वास महसूस हुआ। 55 दिन तक आगने के बाद शाहजहां को 29 फरवरी को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर शिकारियों की जांच सीबीआई को सौंप दी गई।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर देशभर ने दी पुष्पांजलि

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने बाबा साहेब को किया याद, श्रद्धांजलि दी

एजेसी नई दिल्ली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर रविवार को संसद भवन परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। कई लोगों ने पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और पी सी मोदी ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत के महान संपूत बाबासाहेब ने केवल भारतीय संविधान के निर्माता थे, बल्कि सामाजिक न्याय के समर्थक भी थे। उन्होंने कानून के शासन, नागरिक स्वतंत्रता, लैंगिक समता और हाशिए पर मौजूद वर्गों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में जीवन अर्पित किया।

चुनावी बांड पर कंपनियों पर कार्रवाई

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड पर भी एफआईआर दर्ज

एजेसी नई दिल्ली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ कथित तौर से रिश्वत देने के एक मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह कंपनी चुनावी बांड की दूसरी सबसे बड़ी खरीदार है और इसने 966 करोड़ रुपए का चुनावी चंदा दिया था। इसमें भाजपा को सबसे ज्यादा 586 करोड़ रुपए का चंदा शामिल है। आरोप है कि जगदलपुर एकीकृत इस्पात संयंत्र से संबंधित कार्यों के लिए मेघा इंजीनियरिंग के 174 करोड़ रुपए के बिलों को मंजूरी देने में करीब 78 लाख रुपए की रिश्वत दी गई थी।

8 अधिकारियों को भी किया गया नामित
सीबीआई ने एन.आर.एसपी और एन.एस.डी.सी. लिमिटेड के निमित्त अधिकारियों को प्राथमिकी में नामित किया है, उनमें सेवानिवृत्त कार्यकारी निदेशक प्रशांत दाश, निदेशक डीके मोहन, डी.जी.एस पीके मुद्दुय, डी.एम नरेश बाबू, वरिष्ठ प्रबंधक सुधी बर्नार्जी, सेवानिवृत्त सी.जी.एम. एल कृष्ण मोहन, पी.एम.के. राजेश्वर, प्रबंधक सोमनाथ घोष शामिल हैं।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर देशभर ने दी पुष्पांजलि

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने बाबा साहेब को किया याद, श्रद्धांजलि दी

एजेसी नई दिल्ली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर रविवार को संसद भवन परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। कई लोगों ने पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आंबेडकर की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और पी सी मोदी ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत के महान संपूत बाबासाहेब ने केवल भारतीय संविधान के निर्माता थे, बल्कि सामाजिक न्याय के समर्थक भी थे। उन्होंने कानून के शासन, नागरिक स्वतंत्रता, लैंगिक समता और हाशिए पर मौजूद वर्गों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में जीवन अर्पित किया।